संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 208
पृष्ठ 8
शनिवार
19 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- अगर आपको भी मधुमेह या...

विचार- गुजरात से बड़ी लड़ाई का संकेत...

खेल- गुजरात टाइटंस को मिल गया ग्लेन...

3 दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे योगी आदित्यनाथ, पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का किया भूमिपूजन व शिलान्यास

पूर्वांचल को बड़ी सौगात, CM ने रैन बसेरे का किया शिलान्यास

गोरखपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 3 दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को दोपहर बाद गोरखपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में बनने जा रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। यह रैन बसेरा पावरग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया के सौजन्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इसकी क्षमता 500 बेड की होगी। उन्होंने इस रैन बसेरे का मानचित्र भी देखा। इसकी डिजाइन को लेकर इंजीनियरों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका निर्माण इस तरह होना चाहिए कि यहां आने वाले किसी व्यक्ति को दिक्कत न हाने पाए। शनिवार को मुख्यमंत्री सुबह जनता दर्शन में आए लोगों की समस्या सुनेंगे। उसके बाद विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री मानबेला में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 1600 करोड़ रुपये लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इससे पहले भाजपा की ओर से आयोजित गोष्ठी में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री रविवार को हर्बर्ट बांध पर चल रहे कार्य का निरीक्षण करेंगे। गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों, पश्चिमी बिहार व नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य का प्रमुख केंद्र है। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। रात्रि प्रवास करने वालों में सबसे अधिक संख्या इलाज के लिए आने वालों की होती है। ऐसे लोगों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग रैन बसेरों में शरण लेते हैं। वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्र में 14 रैन बसेरे संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 667 लोगों की है। इनमें से 13 का संचालन नगर निगम और एक का संचालन एयरपोर्ट अथारिटी द्वारा किया जा रहा।

लोक निर्माण विभाग खंड–2 व खंड–3, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सीएण्डडीएस यूनिट–14, यूपी जलनिगम नगरीय, यूपीआरएनएसएस प्रखंड प्रथम, यूपीपीसीएल और यूपी सिडको की कुल 52 परियोजनाएं, लागत 438 करोड़ 38 लाख 7 हजार रुपये।

लोक निर्माण विभाग खंड–2 व खंड–3, प्रांतीय खंड, भवन खंड, उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, सीएण्डडीएस यूनिट–14 व यूनिट–42, यूपीआरएनएसएस प्रखंड प्रथम, यूपीपीसीएल, यूपी सिडको और उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम की कुल 95 परियोजनाएं, लागत 1060 करोड़ 98 लाख 83 हजार रुपये।

1500 करोड़ रुपये के परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण व शिलान्यास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को विकास के नक्शे पर सतत निखारने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में वह शनिवार को गोरखपुर को करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत वाली 147 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। वह 438 करोड़ 38 लाख 7 हजार रुपये की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 1060 करोड़ 98 लाख 83 हजार रुपये की 95 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। यह समारोह मानबेला में होगा।

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

● पीएम मोदी बोले- हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण

श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह एक वैश्विक पहल है जो उत्कृष्ट मूल्य की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दर्शाते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों की एक बड़ी मान्यता है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को मान्यता दी गई है, जिन्हेंने पीढ़ियोंसे समाज को प्रभावित किया है। भगवद गीता, भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच एक पवित्र संवाद है, जिसे लंबे समय से आध्यात्मिक और दार्शनिक आधारशिला माना जाता है।

मोदी ने मस्क से दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एवं अमेरिकी प्रशासन में प्रशासनिक सुधार एलन मस्क से टेलीफोन पर बात की और प्रौद्योगिकी एवं नवान्वेषण के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के बारे में चर्चा की। श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में

लिखा,"एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों के बारे में बात की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन में हमारी बैठक के दौरान हमने जिन विषयों को कवर किया था। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

थल सेना प्रमुख ने यादव से की सौजन्य भेंट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से आज थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की मूर्ति भेंट कर थल

सेना प्रमुख श्री द्विवेदी का स्वागत किया। इस अवसर पर श्री द्विवेदी ने मुख्यमंत्री डॉ यादव को मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। लेफ्टिनेंट जनरल पीपी सिंह तथा मेजर जनरल सुमित भी उनके साथ उपस्थित रहे।

राहुल ने कर्नाटक के सीएम को लिखा पत्र, वेमुला एक्ट नाम लागू करने मांग की, सिद्धारमैया ने भी कही बड़ी बात

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर राज्य सरकार से रोहित वेमुला एक्ट नाम से एक कानून बनाने का आग्रह किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षा प्रणाली में किसी को भी जाति–आधारित भेदभाव का सामना न करना पड़े। कर्नाटक के सीएम को लिखे अपने पत्र में गांधी ने बीआर अंबेडकर के साथ उनके जीवनकाल में हुए भेदभाव को उजागर किया। राहुल ने एक्स पर लिखा कि हाल ही में संसद में मेरी मुलाक़ात दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही वह साधन है जिससे वंचित भी सशक्त बन कर जातिभेद को तोड़ सकते हैं।

सुकमा में सुरक्षा बलों के सामने 22 नक्सलियों ने किया सरेंडर, नौ महिलाएं भी शामिल

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सुकमा में नौ महिला नक्सलियों समेत 22 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। डीआईजी (सीआरपीएफ) आनंद सिंह राजपुरोहित ने कहा कि नौ महिला नक्सलियों समेत 22 नक्सलियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से दो नक्सलियों पर 8 लाख रुपये का इनाम है, जबकि दो अन्य पर 5–5 लाख रुपये का इनाम है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और कैंप बनाए जा रहे हैं, साथ ही सरकार की पुनर्वास नीतियों से प्रभावित होकर नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं। राजपुरोहित ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आज आत्मसमर्पण करने वाले सभी लोग मुख्यधारा में शामिल होकर समाज के लिए बेहतर काम करेंगे। आत्मसमर्पण करने वाले 22 नक्सलियों में पांचकृपांच लाख रुपए के इनामी किकिड़ देवे (30) और मनोज उर्फ दूधी बुधरा (28) तथा दोकृदो लाख रुपए के इनामी माड़वी भीमा (30), माड़वी सोमड़ी (48), संगीता (24), माड़वी कोसी (24), वंजाम सन्नी (24), माड़वी मंगली (35) और ताती बंडी (35) शामिल हैं। वहीं नक्सली पुनेम जोगा

पर 50 हजार रुपए का इनाम है।

सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की नई पुनर्वास नीति के तहत 50–50 हजार रुपए प्रदान किया गया है। उन्हें अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत में सिर्फ चार जिलों तक सीमित नक्सलवाद को अगले साल 31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा और सीआरपीएफ इस मिशन की रीढ़ है। वह मध्यप्रदेश के नीमच जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, नक्सलवाद भारत में सिर्फ चार जिलों तक सीमित रह गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से यह समस्या खत्म हो जाएगी। सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) और सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा बटालियन देश से नक्सलवाद को खत्म करने में अहम भूमिका निभा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब के दृष्टिकोण ने ओडिशा को आकार दिया : गडकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री हरेकृष्ण महताब के दृष्टिकोण ने राज्य को आकार दिया। गडकरी ने महताब की 125वीं जयंती के अवसर पर कटक स्थित रेवेनशॉ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'बुनियादी ढांचे का विकास और ओडिशा' विषय पर एक व्याख्यान में यह बात कही।

एक स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि की तारीफ करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''आप नेत्रदान कर सकते हैं, लेकिन दृष्टिकोण नहीं। महताब जी के दृष्टिकोण ने ओडिशा को आकार दिया है।''

गडकरी ने कहा कि ओडिशा की पहचान और विकास में महताब का योगदान अद्वितीय है। उन्होंने हीराकुंड बांध के निर्माण में महताब के योगदान का भी जिक्र किया। दरअसल, देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1948 में इसकी आधारशिला रखी थी और 1957 में इसका उद्घटान किया गया था।

कुलदीप नैयर अवार्ड से नवाजे जाएंगे पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा

–18 मई को प्रयागराज में आयोजित होगा राष्ट्रीय सम्मान समारोह

मोरना। साहित्यिक संस्था गुफ़्तगू के द्वारा प्रयागराज में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में जिले के वरिष्ठ पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा को कुलदीप नैयर अवार्ड से नवाजा जाएगा। जिले के पत्रकारों, जन प्रतिनिधियो व समाज सेवियों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। कार्यक्रम संयोजक एवं संस्था के अध्यक्ष डॉ इम्तियाज अहमद गाजी ने बताया कि 18 मई को प्रयागराज में साहित्यिक संस्था गुफ़्तगू के द्वारा राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे देश भर में खेल, चिकित्सा, कला, साहित्य, समाजसेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें मुजफ्फरनगर जिले में 25 वर्षो से ग्रामीण पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य कर रहे वरिष्ठ पत्रकार रोहिताश कुमार वर्मा का चयन कुलदीप नैयर अवार्ड के लिए किया गया है। जिन्हें 18 मई को प्रयागराज सम्मानित किया जाएगा। इससे पहले भी उन्हें दिल्ली में भारतीय प्रेस परिषद व मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ग्रामीण पत्रकारिता व राजस्थान में अम्बेडकर कीर्ति राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीरपाल निर्वाल, ब्लाक प्रमुख अनिल राठी, भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी, रालोद के मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, मनोज राठी, डॉ अमित ठाकरान के अलावा जिले के पत्रकारों व गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी है।

सभासद के पास है भारत की सबसे दुर्लभ प्रजाति की बिल्ली, दूर-दूर से देखने आते हैं लोग

मुजफ्फरनगर। आपने बिल्लियां तो खूब देखी होगी लेकिन उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर के कस्बा जानसठ स्थित मौहल्ला जन्नताबाद में एक ऐसी बिल्ली सामने आई है, जो लाखों में एक है, यह बिल्ली बहुत ही प्राचीन दुर्लभ प्रजाति की है, इसे जो देखता है देखता ही रह जाता है। लोग इस बिल्ली को देखनें जिज्ञासा के साथ आ रहे हैं, सफेद रंग की बिल्ली में बेशुमार खासियतें है, इसकी एक आंख नीली और दूसरी आंख गोल्डन कलर की है, इस सुंदर बिल्ली ने परिवार का मन मोह लिया है और अब यह परिवार की सदस्य हो गई है,

'बिल्ली की कीमत 11 हजार अमेरिकी डॉलर यानी भारतीय मुद्रा करीब 10 लाख रुपये है।'

नगर पंचायत जानसठ के मोहल्ला 'जन्नताबाद वार्ड 13 के सभासद मौ. अहसान ने जब इस अनोखी बिल्ली के' बारे में इंटरनेट पर सर्च किया तो पता चला की यह बेहद दुर्लभ है, 'खाओ मानी बिल्ली, जिसे डायमंड आई बिल्ली और खाओ प्लॉर्ट के' नाम से भी जाना जाता है, 'थाईलैंड में उत्पन्न होने वाली यह बिल्ली एक दुर्लभ, प्राकृतिक नस्ल है,' जिसको थाईलैंड और अमेरिका के राजघरानों में पाला जाता था जिसकी प्राचीन वंशावली सैकड़ों साल पुरानी है। इनका उल्लेख तमरा माउ में मिलता है। खाओ मानी बिल्लियाँ छोटे बालों वाली ठोस–सफ़ेद बिल्लियाँ हैं।

भारत में इसके होने की

एक आंख नीली और एक गोल्डन, कीमत जानकर उड़ जायेंगे होश

अब तक कोई पुष्टि नहीं हुई है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत डॉलर में आई, जो भारतीय करेंसी के हिसाब से करीब 10 लाख रुपये है, इस बिल्ली के मिलने से वे

इस बिल्ली की एक आंख नीली और दूसरी आंख गोल्डन कलर की है। इस सुंदर बिल्ली ने परिवार का मन मोह लिया है और अब यह परिवार की सदस्य बन गई है।

अपने आप को लकी समझने लगे हैं,

खाओ मेनी कैट के नाम से जानी जाती है,,,

इस बिल्ली को खाओ मेनी कैट कहते हैं, आमतौर पर ये थाईलैंड में पाई जाती है, इसका इतिहास 100 वर्ष पूर्व का है, और थाईलैंड और अमेरिका की रॉयल फैमिली में ही इस बिल्ली को पाला जाता था।

बहुत ही दुर्लभ इस बिल्ली की खासियत ये है कि यह बहुत ही होशियार होती है, इस बिल्ली की खास बात यह है कि एक आंख ब्लू और एक का गोल्डन है, इसको लेकर जो जानकारी मिली है कि आंखों का जो आईरिस स्ट्रक्चर होता है उसके कारण आंख अलग–अलग रंग की हो जाती और यह जन्मजात होती है, अलग–अलग रंग की आंखों वाली बिल्ली लाखों में एक होती है। और इस बिल्ली की कीमत 11 हजार अमेरिकी डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 10 लाख रुपए होती है।

असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी के पेपर से संतुष्ट नहीं अभ्यर्थी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसरों के 910 पदों पर चयन के लिए लिखित परीक्षा गुरुवार को संपन्न हो गई। गुरुवार को दूसरी पाली में हिन्दी विषय की परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी प्रश्नपत्र से संतुष्ट नहीं हैं और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। अभ्यर्थियों का दावा है कि असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी की नियुक्ति के लिए तत्कालीन उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग ने वर्ष 2021 में हिंदी विषय का एक वृहद पाठ्यक्रम तैयार किया था। उस पाठ्यक्रम में तकरीबन आठ से दस हजार की किताबें शामिल की गईं थी। संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित अब तक दो परीक्षाएं कराई जा चुकी हैं और दोनों में पाठ्यक्रम में शामिल पाठ्य पुस्तकों की भूमिका का कोई वजूद नहीं रहा। इस बार यानी 2025 में तो बिल्कुल ही नहीं। अभ्यर्थियों का कहना है कि पाठ्यक्रम में शामिल कविता, कथा और कथेतर साहित्य एवं उसकी पुस्तकों को नजरअंदाज किया गया। पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों से कोई प्रश्न नहीं पूछे गए। अनेक उपन्यास, कहानियां, निबंध आदि लगे हैं, बावजूद इसके ऊटपटांग सवाल पूछे गए थे।

ट्रिपलआईटी: स्नातक में प्रथम श्रेणी वालों को ही एमबीए में मिलेगा दाखिला

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के शैक्षिक सत्र 2025 में एमबीए (मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) के दाखिले के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। अब स्नातक में प्रथम श्रेणी वाले सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी

वर्ग के छात्रों को एमबीए में दाखिला मिलेगा। सामान्य, ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए स्नातक में 60 फीसदी अंक और एससी–एसटी और पीडब्लयूडी (दिव्यांग) वर्ग के छात्रों के लिए 55 फीसदी अंक अनिवार्य होंगे। इन नए नियमों का उद्देश्य एमबीए प्रोग्राम में उच्च शैक्षणिक मानकों को बनाए रखना और योग्य छात्रों को दाखिला देना है। पिछले वर्ष की तुलना में स्नातक में दस प्रतिशत अंक की अर्हता बढ़ाई गई है। अब तक सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के लिए स्नातक में 50 और एससी–एसटी के लिए 45 फीसदी अंक की ही अनिवार्यता थी। सत्र 2025 में एमबीए में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 6 जून तय की गई है। 12 जून को चयनित अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी की जाएगी। 24 जून को वेबसाइट पर रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा।

इस्कॉन में आयोजित हुई हस्तशिल्प कार्यशाला

प्रयागराज। इस्कॉन प्रयागराज की ओर से परिसर में स्थापित भक्ति वेदांत स्कूल में हस्तशिल्प विकास विभाग के सहयोग से गुरुवार को हस्तशिल्प कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि हस्तशिल्प विकास

आयोग की सहायक निदेशक तान्या बनर्जी ने किया। जिसमें बच्चों को ड्राइंग, पेंटिंग, टेराकोटा, मूर्तिकला व मूंज शिल्प जैसे विभिन्न कला रूपों से परिचित कराया गया। सहायक निदेशक ने कहा कि बच्चों को वास्तविक कलाकारों से कला के कई रूपों को सीखने का एक अनोखा अवसर प्रदान कराया गया है। जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक साबित होगा। स्कूल की प्रधानाचार्या गरिमा श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट करके किया।

समाजवादी छात्रसभा ने कार्रवाई की मांग की

प्रयागराज। ईसीसी के एनसीसी कैडेट की मौत के पीछे कॉलेज प्रशासन और तैराकी ट्रेनर की लापरवाही बताते हुए समाजवादी छात्रसभा के छात्रों ने गुरुवार को कार्रवाई की मांग की। गौरव गोंड के नेतृत्व में दिए ज्ञापन देकर दोषियों पर कोई कठोर कार्रवाई और छात्र के परिवार को मुआवजा देने की मांग की गई। इसमें इष्टदेव इंडियन, आलोक तिवारी, अभय विक्रम सिंह, अमन, नागेश शास्त्री आदि मौजूद रहे। एबीवीपी के ध्यानेश पांडेय और पूर्व अध्यक्ष शुभम पांडेय ने कहा कि तैराकी जैसे प्रशिक्षण में सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग अनिवार्य होता है। यदि प्रशिक्षण के दौरान लाइफ जैकेट जैसी मूलभूत सुरक्षा सुविधा भी नहीं दी गई, तो यह एक गंभीर लापरवाही है, जो एएनओ स्तर से हुई है। ऐसे मामलों में जांच के साथ–साथ जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। सोमवार को एएनओ पद से नहीं हटाया गया तो आंदोलन फिर किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदीप मिश्र, विकास शुक्ल और आयुष वाजपेयी सहित अन्य मौजूद रहे।

हिन्दुओं पर हमले के विरोध में मार्च

प्रयागराज। वक्फ संशोधन बिल के विरोध के नाम पर लगातार पश्चिम बंगाल में मुसलमानों द्वारा हिन्दुओं पर हमले, आगजनी, हत्या और हिन्दू महिलाओं के साथ दरिंदगी के विरोध में शनिवार को मार्च निकाला जाएगा। इन घटनाओं के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद, महानगर (उत्तर और दक्षिण) के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रदर्शन किया जाएगा। विहिप काशी प्रांत के मीडिया प्रभारी अश्वनी मिश्रा ने बताया कि इस अत्याचार से आक्रोशित हिन्दू समाज के लोग शनिवार शाम पांच बजे सिविल लाईन्स हनुमान मन्दिर पर एकत्र होकर पत्थर गिरिजाघर और फिर वापस सुभाष चौराहे तक पहुंचेंगे और वहां पुतला दहन करेंगे।

जर्जर बीमार पार्क में कौन जाए भला

–बाउंड्रीवाल की ईंट चोरी हो रही।
–पार्क को अब गोदाम बना दिया।
–विरोध के बाद भी बनाया नलकूप।
–पार्क से पानी निकासी ठीक नहीं।
–पहले पार्क की पूरी तरह सफाई हो।
–पार्क के टॉयलेट की मरम्मत की जाए।
–नगर निगम पार्क को विकसित करें।
–पार्क को संवारने में जनप्रतिनिधि दिलचस्पी लें।
–क्षेत्र के लोगों को दें रखरखाव का जिम्मा।

प्रयागराज। राजापुर में लगभग दो दशक पहले एक पार्क को स्मृति पार्क के रूप में विकसित किया गया। इस पार्क की खूबसूरती देखने लायक थी। आसपास रहने वाले पार्क में टहलने थे, बच्चे यहां खेलते थे और महिलाएं भी सुबह–शाम पार्क में जाती थीं। अब इस पार्क में शायद ही कोई जाना पसंद करें। बच्चे भी अब नहीं जाते। महिलाएं तो पार्क की तरफ देखना भी पसंद नहीं करतीं। पार्क पूरी तरह से बदहाल हो चुका है। पार्क की हालत देखकर लगता है कि कहीं स्मृति पार्क इतिहास न बन जाए क्योंकि पार्क का वजूद धीरे–धीरे समाप्त हो रहा है। यह पार्क पार्क नहीं, कूड़ाघर अधिक लगता है। पार्क के अंदर मिट्टी का ढेर लगा है। पार्क की सभी लाइटें खराब हो चुकी हैं। पार्क की शान फव्वारा वर्षों से खराब है। इसकी बाउंड्री वॉल टूट चुकी है। पार्क में बना टॉयलेट ध्वस्त हो चुका है। शहर के पॉश क्षेत्र स्थित पार्क को संभवतः नगर निगम भूल चुका है।

महाकुम्भ के पहले नगर निगम ने शहर के 300 से अधिक पार्कों का सुंदरीकरण किया। कई पार्क अमृत योजना के तहत खूबसूरत बनाए गए, लेकिन स्मृति पार्क की अधिकारियों ने सुधि नहीं ली। नगर निगम की अनदेखी ही है कि कभी शहर का भव्य पार्क रहा आज बदहाल हो चुका है। पार्क का जायजा लेने पर आसपास के लोग भी जुट गए। लोगों ने पार्क की बदहाली के बारे में विस्तार से बताया। लोगों ने दिखाया कि कैसे पार्क में पैदल चलने के लिए बनाया गया पाथवे उखड़ गया है। पार्क को गोदाम की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। बिजली के पोल गिरे हुए हैं। लोगों के मुताबिक अब यह पार्क नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। सुबह से शाम रात तक पार्क में नशेड़ी दिखाई पड़ते हैं। सूर्यास्त के बाद तो नशेड़ियों का जमघट लग जाता है। नशेड़ियों ने ही पार्क की बाउंड्रीवाल तोड़ दी है।

आसपास रहने वालों ने बताया कि लगभग 10 साल पहले पार्क की मरम्मत की गई, लेकिन अब यहां कोई झांकने नहीं आता। शहर में चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत सड़कें चमकाई जा रही हैं। पार्क की सफाई नहीं हो रही है। इसमें पड़ी मिट्टी हटाई नहीं जा रही है। आसपास सड़कों को साफ किया जा रहा है, लेकिन पार्क की तरफ नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी झांकते भी नहीं हैं, यहां जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। पार्क में लोगों का आवागमन बंद हुआ तो यहां कूड़ा फेंका जाने लगा। महाकुम्भ के दौरान सफाई मजदूरों को यहीं रखा गया था। थी। इसकी भनक लगते ही स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। यह मामला तत्कालीन नगर प्रमुख रवि भूषण बढ़ावा के पास पहुंचा। प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नरेंद्र सिंह गौर ने भी जमीन पर बूचड़खाना बनाने को गंभीरता से लिया। पूर्व नगर प्रमुख और पूर्व मंत्री स्थानीय लोगों के साथ बूचड़खाना के विरोध में खड़े हो गए। अंततः बूचड़खाना बनाने का प्रस्ताव निरस्त कर जमीन पर पार्क विकसित किया गया। हर शहर एक स्मृति पार्क बनाने का आदेश आने के बाद नगर निगम ने इसी पार्क को बेरोकटोक यहां आते जाते हैं, जिससे यहां का माहौल खराब होता है। मना करने पर अराजकतत्व विवाद करने लगते हैं।–– रामचंद्र राय

पार्क में कूड़ा डाला जा रहा है। पार्क की सफाई हो और बाउंड्री वाल बनाकर गेट लगा दिया जाए तो लोग टहलने, योग करने आदि के लिए सुबह–शाम यहां आ सकेंगे।–– संजय मजूमदार

शाम होते ही पार्क में नशेड़ी और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। यहां बैठकर लोग शराब पीते हैं और गालीगलौज करते हैं। देर शाम आ सकें, जिम और योग कर सकें इसके लिए पार्क में व्यवस्था होनी चाहिए। बदहाल पार्क में गंदगी और बदबू के बीच कौन आएगा, जहां शराबी मजमा लगाए रहते हों।–– अजय चौहान

इस समस्या के निराकरण की लोग लम्बे समय से मांग कर रहे हैं। निगम के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया। पार्षद से लेकर सांसद, विधायक सभी से कहा गया लेकिन समाधान नहीं हुआ।–– अमित साहू

यहां बाउंड्रीवाल और गेट लगाकर सुरक्षा गार्ड तैनात किया जाए, ताकि महिलाएं बिना किसी भय के आ सकें। पार्क में जिम के उपकरण लगे हैं, लेकिन लोग उपयोग नहीं कर पाते।–– राम ललित उपाध्याय

पार्क बन जाए तो यहां आसपास की कॉलोनियों के लोगों को इसका लाभ मिल सकता है। लोग पार्क को बेहतर बनाने के लिए बार–बार मांग करते आ रहे हैं, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।–– राहुल ओझा

कॉलोनी के लोग पार्क के रखरखाव करने के लिए तैयार हैं। पार्क बनाकर यहां के लोगों को सौंप दिया जाए और रखरखाव की अनुमति दी जाए। लोग पार्क का रखरखाव स्वयं कर लेंगे।–– अंशुमान चन्द्रा

पार्क नशेड़ी और अराजकतत्वों का अड्डा बना हुआ है। अराजकतत्वों के जमावड़े के कारण शाम को तो यहां आने लायक नहीं रहता। इससे स्थानीय लोग परेशान हैं।––आकाश सिंह

कूड़ा कचरा हटाकर पूरे पार्क की सफाई की जाए। बाउंड्रीवाल व गेट लगे और गार्ड तैनात किया जाए, तभी लोग पार्क एवं यहां बने ओपेन एयर जिम का लाभ उठा सकेंगे।––विजय यादव

पार्क की बदहाली के कारण लोग इसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। लम्बे समय से चली आ रही इस समस्या की लगातार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।–– अख्तर आलम

स्थानीय लोग चाहते हैं कि पार्क की व्यवस्था सुधरे, इसके लिए बराबर प्रयास कर रहे हैं। पार्षद, विधायक, सांसद, से कहा गया लेकिन नतीजा शून्य रहा। अधिकारियों से शिकायत का भी कोई असर नहीं हुआ।–– अमरनाथ खरे

पार्क में बिजली, पानी, सफाई, सुरक्षा आदि की व्यवस्था कर दी जाए तो लोग मार्निंग वाक कर सकेंगे, बच्चे खेल सकेंगे, बुजुर्ग योग आदि कर सकेंगे, जिम का उपयोग हो सकेगा।––आकाश उपाध्याय

पार्क में लोग जानवरों का शव फेंक देते हैं। हर तरफ गंदगी पसरी रहती है, मलबा फेंका जा रहा है, गंदा पानी लगा रहता है। ऐसे में लोग यहां आकर समय बिताना तो दूर यहां झांकना भी नहीं पसंद करते।–– विक्रम यादव

पार्क में नशेड़ी और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इनकी मारपीट और गाली गलौज से माहौल खराब हो रहा है। यहां बने शौचालय का गेट तक अराजकतत्व ले जा चुके हैं।––योगेंद्र सिंह

बेकार पड़ा है ओपन एयर जिम

प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने स्मृति पार्क में भी ओपन एयर जिम लगाया। जिम के उपकरणों का पहले जमकर उपयोग होता था। स्वास्थ्य के प्रति सचेत पुरुष–महिलाएं उपकरणों का भरपूर उपयोग करते थे। जिम के उपकरणों के पास भीड़ लगी रहती थी। बच्चे भी फिट रहने के लिए ओपन एयर जिम पर पहुंचते थे। पार्क बदहाल होने लगा तो धीरे–धीरे सभी ने पार्क में आना बंद कर दिया। लोग पार्क में नहीं आते तो ओपन एयर जिम के लगे उपकरण भी धूल फांक रहे हैं। पार्क के आसपास रहने वाले अब दूसरे जिम जाने लगे हैं।

पार्क की जमीन पर बूचड़खाना बनाने की थी योजना

स्मृति पार्क की जमीन पर बूचड़खाना बनाने की योजना एक आदर्श पार्क बनाने का निर्णय लिया और विकास कार्य किया।

पार्क के पास सड़क पर भी अवैध कब्जा

स्मृति पार्क के पास एक सड़क थॉर्नहिल रोड और राजापुर के बीच में बनी हुई है। इस सड़क पर भी अवैध कब्जा कर कारोबार किया जा रहा है। सकरी सड़क पर गिट्टी और बालू का ढेर देखा जा सकते है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तकरीबन 20 साल बाद सड़क की मरम्मत की गई, लेकिन इसमें चलने वालों की जगह दुरुपयोग किया जा रहा है।

दुर्दशा के कारण लोग पार्क में नहीं आते हैं। पार्क को व्यवस्थित कर दिया जाए तो आसपास की कई कॉलोनियों के लोग इसका लाभ उठा सकेंगे।––सुदेब मजूमदार

पार्क की बाउंड्री नहीं है और न ही गेट लगा है। अराजकतत्व यहां जुटे रहते हैं।–– वशिष्ठ उपाध्याय

पार्क को कूड़ादान बना दिया गया है। यहां कूड़ा डंप किया जा रहा है। मलबा गिराया जाता है। मवेशियों के शव भी यहां फेंके जाते हैं। पार्क में पसरी गंदगी से लोग परेशान हैं।–– इन्द्रजीत साहू

पार्क होने के बावजूद लोग इसका उपयोग इसलिए नहीं कर पा रहे हैं। गंदगी, बदबू और असुरक्षा के बीच कौन यहां आना चाहेगा। पार्क रखरखाव कर उपयोग लायक बनाना चाहिए।––राजनंदन सिंह

पार्क तो दुर्दशा का शिकार है ही यहां तक पहुंचने के रास्ते भी बदहाल हैं। जिम के उपकरण जंग खा रहे हैं। पार्क की बाउंड्री बने, गेट और लाइट लगे और पेयजल की व्यवस्था हो तभी लोग आएंगे।–– हरिहर सिंह

लोग मॉर्निंग वाक के लिए

महाकुम्भ से दिलोदिमाग में छा गया संगम

प्रयागराज। ध्रुव शंकर तिवारी यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में कुम्भ मेला को दिसंबर 2017 में शामिल किए जाने आठ वर्षों बाद प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ की भव्यता और उसकी दिव्यता का अलौकिक स्वरूप पूरी दुनिया ने देखा। जहां देश–दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालुओं की चाह सिर्फ संगम में पुण्य की डुबकी लगाने की दिखाई दी। ऐसी भीड़ इसके पहले कभी भी यहां मेला के दौरान नहीं पहुंची थी। मेला समाप्त होने के बाद संगम स्नान के लिए आज भी ऐसे श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जो महाकुम्भ में भीड़ की वजह से प्रयागराज नहीं आए थे और अब देश के विभिन्न राज्यों से आकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।

गुरुवार को संगम तट पर मध्य प्रदेश के गुना की रीतू राजपूत और उनकी जेठानी ज्योति राजपूत के साथ कुल 15 परिजन पहुंचे थे। रीतू ने बताया कि मेला के दौरान बहुत प्रयास किया लेकिन महाकुम्भ की भीड़ और भीषण जाम की खबरों को देखते हुए हम लोगों ने मेला समाप्त होने के बाद यहां आने का कार्यक्रम बनाया था। संगमतट पहुंचने पर बहुत सुखद अनुभूति हो रही थी। हम लोगों ने स्नान के साथ त्रिवेणी पर तख्ता लगाने वाले पुरोहित अभिषेक पांडेय ने बताया कि इस समय ऐसे लोग अधिक आ रहे है जो महाकुम्भ के दौरान भीड़ की वजह से नहीं आ सके थे। पुरोहित संतोष कुमार दुबे बताते हैं कि मेला में ऐसी भीड़ कभी नहीं देखी गई थी। इसका पर्यटक भूतल पर मोतीलाल नेहरू अध्ययन कक्ष व प्रसाधन कक्ष, इंदिरा प्रियदर्शिनी विवाह स्थल और प्रथम तल पर जवाहर लाल नेहरू कक्ष व प्रसाधन कक्ष, कांग्रेस कार्यकारिणी कक्ष, महात्मा गांधी कक्ष जैसी अमूल्य धरोहर देखना पसंद करते हैं।

पूजन भी किया है।

महाकुम्भ से पहले संगम स्नान के लिए देश के विभिन्न प्रांतों से रोजाना करीब 15 हजार श्रद्धालु आते थे। वर्तमान में यह संख्या 45 हजार तक पहुंच गई है। व्रत व त्योहार पर एक लाख से अधिक तो मंगलवार और शनिवार को यह संख्या पचास हजार के करीब पहुंच जाती है। तीस वर्षों से संगम असर यह हुआ कि जो मेला के दौरान वेणीदान व पिंडदान नहीं कर सके, ऐसे श्रद्धालु अब संगम आ रहे हैं।

आनंद भवन पहुंचते है एक हजार पर्यटक

आनंद भवन में औसतन एक हजार पर्यटक रोजाना आते हैं। इनमें से आधे से अधिक संख्या दक्षिण भारत से आने वालों की रहती है। यहां आने वाले

कंपनी बाग के बाद पसंदीदा स्थल खुसरोबाग

खुसरोबाग मुगल स्थापत्य कला का उत्कृष्ट नमूना है। करीब 67 एकड़ क्षेत्रफल में बने खुसरोबाग के चारों तरफ लाल पत्थर की ऊंची दीवारें हैं जहां मुगल बादशाह जहांगीर के बड़े बेटे शहजादा खुसरो और बेटी सुल्तान निसार बेगम व खुसरो की मां शाह बेगम का मकबरा है। यहां कई एकड़ में अमरूद व आम के बाग भी हैं। जिसमें इलाहाबादी अमरूद की सुर्खा और सफेदा का स्वाद लेने लोग आते हैं। खास बात है कि कंपनी बाग के बाद यह बाग सुबह–शाम की सैर करने वालों का सबसे पसंदीदा स्थल बना हुआ है।

विजयनगरम हॉल की खूबसूरती में लगा चार चांद

इविवि का विजयनगरम हॉल अपनी नक्काशी और खूबसूरती की वजह से शहर की शान में चार चांद लगा रहा है। लाल सुर्ख पत्थरों से हॉल बना हुआ है तो नीले रंग की टाइल्स इसकी खूबसूरती को और निखार रही है। पूरे हॉल में झूमर झालर और लाइट दूर से ही लोगों को आकर्षित करती रहती है।

तैराकी सीखते समय छात्र की मौत पर डीएसडब्ल्यू सहित पांच नामजद

प्रयागराज। गऊघाट पर यमुना नदी में बुधवार को तैराकी सीखने के दौरान ट्रेनर के सामने छात्र की डूबने से मौत पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक अमन यादव के पिता की तहरीर पर मुठ्ठीगंज थाने की पुलिस ने गुरुवार की देर रात यूइंग किश्चियन कॉलेज के डीएसडब्लयू सहित पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि डीएसडब्ल्यू और प्रशिक्षकों की लापरवाही की वजह से छात्र अमन यादव की डूबने से मौत हुई थी। अमन की मौत से आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज में जमकर हंगामा मचाया था। झूंसी के छतनाग रोड के ब्रह्मपुरी कॉलोनी निवासी निरंजन यादव पुलिस इंस्पेक्टर हैं। उनकी वर्तमान में सुल्तानपुर जिले में तैनाती है। पुलिस इंस्पेक्टर का इकलौता बेटा 20 वर्षीय अमन यादव यूइंग क्रिश्चियन कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। उसने एनसीसी भी ज्वाइन की थी। एनसीसी के माध्यम से ही अमन अपने सहपाठियों के साथ पिछले 20 दिनों से तैराकी सीखने गऊघाट जा रहा था। वह बुधवार को सहपाठियों के साथ गऊघाट पर यमुना नदी में ट्रेनर की देखरेख में तैराकी सीख रहा था। ट्रेनर ने उसे आगे बुलाया, तभी अचानक गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। छात्र अमन के डूबने से मौत के दूसरे दिन गुरुवार को कॉलेज में छात्रों ने तालाबंद कर जमकर हंगामा मचाया था। छात्रों की मांग पर कॉलेज प्रशासन ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो अजिन रे को पद से हटा दिया। इधर, देर रात मृतक के पिता निरंजन यादव की तहरीर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. अजिन रे के अलावा प्रशिक्षक राजेश निषाद, ऋतिक निषाद, नितिन निषाद व अनुज निषाद (सभी निवासी कीडगंज) के खिलाफ नामजद व अन्य अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की गई है। थाना प्रभारी सुनील बाजपेयी ने बताया कि तैराकी सीखने के दौरान अमन की डूबने से मौत हो गई थी। मृतक के पिता की तहरीर पर नामजद एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एनसीईआरटी किताबों के प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) किताबों के प्रकाशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बोर्ड ने 36 विषयों की 70 किताबें प्रकाशित करने के लिए टेंडर जारी किया है। प्रकाशक तीन मई को दोपहर 12 बजे तक आवेदन कर सकते हैं और उसी दिन तीन बजे टेंडर खोला जाएगा। खास बात यह है कि पहली बार कवर पृष्ठ और पुस्तक अलग–अलग प्रकाशक छापेंगे। बोर्ड ने ऐसा इसलिए किया है ताकि प्रकाशक मनमाने तरीके से निर्धारित संख्या से अधिक पुस्तकें न छापने पाएं। प्रकाशकों को कवर पृष्ठ की संख्या के अनुरूप किताबों के प्रकाशन की रॉयल्टी एनसीईआरटी को देनी होगी। उम्मीद है कि नई किताबें जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह में बाजार उपलब्ध हो जाएगी। प्रकाशकों को ही पूरे प्रदेश में किताबें उपलब्ध करानी होगी।

यूपी बोर्ड: दस बाहरी छात्रों के प्रवेश की शर्त खत्म करने की तैयारी

प्रयागराज। यूपी बोर्ड से जुड़े 28799 स्कूलों में दस बाहरी छात्र–छात्राओं के प्रवेश की शर्त खत्म करने की तैयारी है। शासन के निर्देश पर यूपी बोर्ड ने पिछले दिनों मुख्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्रयागराज, प्रतापगढ़ और कौशाम्बी के राजकीय, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से इस पर फीडबैक लिया गया है। इसके अलावा चुनिंदा जिला विद्यालय निरीक्षकों से भी रिपोर्ट मांगी गई है। 20 जुलाई 2010 के शासनादेश में यह व्यवस्था दी गई थी कि दूसरे बोर्ड या राज्यों के अधिकतम दस बाहरी छात्र–छात्राओं को कक्षा दस और 12 में सीधे प्रवेश दिया जा सकता है। पिछले दिनों हुई कार्यशाला में कई प्रधानाचार्यों ने अधिकतम दस बाहरी छात्रों की सीमा को बढ़ाकर 15 से 20 करने की सिफारिश की है। उनका तर्क है कि कई ऐसे अभिभावक आते हैं जिनका तबादला दूसरे शहर या राज्य से होता है। उनके बच्चे सीबीएसई या सीआईएससीई बोर्ड में पढ़ रहे होते हैं लेकिन प्रयागराज में इन बोर्ड के स्कूलों की संख्या सीमित होने के कारण सभी का प्रवेश नहीं हो पाता। अंत में यूपी बोर्ड के स्कूलों में इन बच्चों को प्रवेश दिया जाता है।

पी.आर पब्लिक स्कूल में मनाया गया वर्ल्ड हेरिटेज डे

'धरा का श्रृंगार करती है, हमारी विरासत स्वतंत्रता का सम्मान करती है'

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर पब्लिक स्कूल में आज दिनांक 18 अप्रैल 2025 को वर्ल्ड हेरिटेज डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर कक्षा 1 से लेकर कक्षा 12 तक के छात्र– छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिनमें जी के क्विज ,वाद– विवाद प्रतियोगिता ,पोस्टर मेकिंग कंपटीशन आदि शामिल थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की विशेष प्रार्थना सभा के साथ किया गया । जिसमें अध्यापिका निशु चौधरी ने बच्चों को विश्व धरोहर दिवस के बारे में ज्ञानवर्धक जानकारियां उपलब्ध कराई । जी के क्विज प्रतियोगिता में विजेता रहे छात्र–छात्राओं में शिवांश ,अवनी गर्ग, सक्षम पाल, अवनी शर्मा, आराध्या शर्मा, धैर्य शर्मा, समृद्धि, आर्य कौशिक ,परिधि, सौम्या ,निकुंज ,गौरव ,विधि कालसन ,वंशिका, आरव शर्मा, माहिरा आदि के नाम शामिल है। कक्षा 9 से 12 के छात्र–छात्राओं ने विश्व धरोहर दिवस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर इस विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार रखें । इस अवसर पर स्कूल निदेशक अनघ सिंघल जी ने सभी विजेता और प्रतिभाग करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रतियोगिताओं में उनकी शानदार प्रस्तुति के लिए उनकी प्रशंसा की और विजेता छात्र– छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए कहा भारत विविधता का देश है। हमारे देश में अनेक कलाएं, संस्कृति, इतिहास और विरासत स्थल हैं, जो मनुष्य और प्रकृति के बीच संबंधों को दर्शाते हैं। उन्होंने बच्चों को बताया कि वर्ल्ड हेरिटेज डे मनाने का मकसद देश में मौजूद सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों को संरक्षण प्रदान करना है। उन्होंने कहा हमारा इस दिन को मनाना तभी सार्थक होता है, जब हम अपने पूर्वजों से मिली धरोहर को संरक्षित और सुरक्षित रखकर उसे आने वाली पीढ़ी के हाथों में सौंप सके । आज के इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्रवीण कुमार, दिव्या शर्मा, शशि जैन ,प्रियंका चौधरी, अजय कुमार ,दीपक मलिक, राखी पाल, चेतन मलहान, शिखा ठाकुर, रितेश त्यागी आदि का विशेष योगदान रहा।

जिला मु. नगर में आयोजित शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह

मुजफ्फरनगर। आगामी 20 तारीख, दिन रविवार को मु. नगर के पंजाबी बारातघर में आयोजित होने वाला शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आजकल जिला मु.नगर में जगह जगह चर्चा का विषय बना हुआ है और इस कार्यक्रम को लेकर चारों तरफ लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

मु.नगर वासियों का मानना है कि मु.नगर को क्रांतिकारी एवं बलिदानों की भूमि के रूप में जाना जाता है और यहां से पूर्व में अलग अलग कार्यक्रमों के द्वारा भिन्न–भिन्न मुद्दों पर आवाज उठाई गई जिसकी गुज पूरे हिंदुस्तान में सुनाई दी। ऐसा ही विश्वास मु.नगर के लोग इस कार्यक्रम को लेकर जाता रहे है।

शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के संस्थापक एवं मु.नगर कार्यक्रम के सूत्रधार शिक्षक नेता डॉ. कुलदीप मलिक के अनुसार कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिस तरह से मु.नगर टीम का गठन किया गया और उस टीम ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरे जिले में जो कार्य किया आज उसी का ही परिणाम है कि आगामी शिक्षा पर चर्चा कार्यक्रम शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले हर एक इंसान के साथ–साथ

आम इंसानों के बीच भी चर्चा का विषय बन चुका है और सभी लोग कार्यक्रम में शामिल होकर इसमें अपनी हिस्सेदारी देने के लिए उत्साहित है। डॉ. मलिक ने विश्वास जताया कि इस कार्यक्रम की आवाज आने वाले समय में लखनऊ एवं दिल्ली के गलियारों में गूंजेगी और यह आवाज शिक्षा क्षेत्र को नई दशा एवं दिशा देने का काम करेगी।

कल कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कार्यक्रम स्थल (भोपा रोड, पंजाबी बारातघर)पर आयोजन समिति के सदस्यों के अंतिम बैठक हुई जिसमें कार्यक्रम के आयोजन को लेकर तैयारियां को अंतिम रूप दिया गया। इस बैठक में के संयोजक रविंद्र कुमार जी के साथ साथ कार्यक्रम के सह संयोजकों राहुल कुशवाहा जी, प्रीत वर्धन शर्मा जी, अनिल आर्य जी, बच्चन सिंह वर्मा जी, प्रवीण कुमार जी, सुचित्रा सैनी जी में भाग लिया। बैठक में महेश विश्वकर्मा जी, सुधीर जी, आशीष जी और के अलावा नोएडा से आए मनोज जी ने भी अपनी भागीदारी दी।

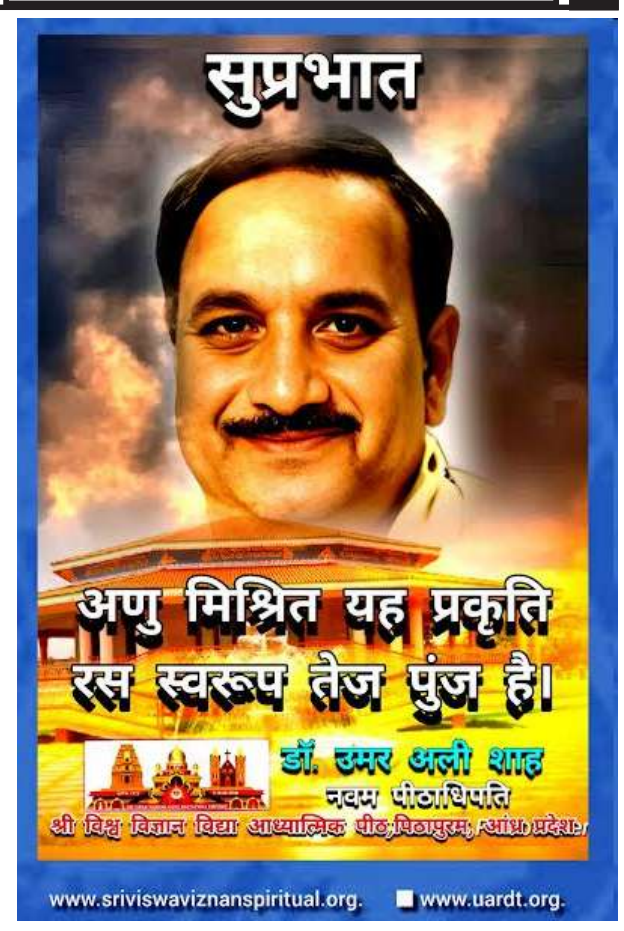

लेखन है चिन्तन नहीं

(कुण्डलिया)

दो दिन की सुन बतकही,खुद को कहे महान।
गुरु ही केवल जानता,है अधकचरा ज्ञान।
है अधकचरा ज्ञान, मगर पोशाक निराले।
देता है उपदेश, अहं को मन में पाले।
सुन लो कहें प्रदीप,न सुनना बातें इनकी।
चमक–दमक की रात,मात्र है यह दो दिन की।।

लेखन है,चिन्तन नहीं,लिखते नित्य निबन्ध।
अनुशासन की बात कर,तोड़ रहे प्रतिबन्ध।
तोड़ रहे प्रतिबन्ध दोष दूजों पर मढ़कर।
विद्वानों से दूर, हमेशा रहते चढ़कर।
सुन लो कहें प्रदीप, न करना इनसे अनबन।
लेकिन सबके बीच,बताना सच्चा लेखन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी भोपा क्षेत्र की बेटियां

–डेढ़ दर्जन से अधिक युवतियों को पुलिस भर्ती के लिए हुआ चयन

भोपा। महिला शिक्षा से आई जागरूकता के सुखद परिणामो की आस जगने लगी है।परिस्थितियों से आगे आकर गांव की युवतियों ने सफलता की ओर कदम बढ़ाये हैं। भोपा क्षेत्र मे डेढ़ दर्जन से अधिक युवतियों ने उत्तर प्रदेश पुलिस मे भर्ती की परीक्षा पास कर नारी स्वावलम्बन के प्रयासों को सफलता की दिशा दी है।इसी कड़ी मे भोपा निवासी किसान परिवार की मानसी वालिया भी प्रमुख हैं। बेटी की सफलता से जिनके परिवार मे खुशी का माहौल है। भोपा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव निवासी छात्राओं ने यू पी पुलिस भर्ती की परीक्षा पास कर महिला शिक्षा मे उत्साह का संचार किया है। गांव भोपा निवासी किसान संदीप वालिया की बेटी मानवी ने पुलिस भर्ती की परीक्षा उत्तीर्ण की है। मानवी वालिया के परिवार मे खुशी का माहौल है। मानवी ने बताया की उसने जनता इंटर कॉलिज भोपा से इंटर मीडिएट करने के बाद डीएवी डिग्री कॉलिज मुज़फ्फरनगर से बीएससी की डिग्री प्राप्त की है। मानवी की छोटी बहन रिया बी टेक की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं।

मानवी वालिया के परिवार मे पिता संदीप वालिया के अलावा माता सोनिया वालिया दादी कौशल्या, छोटा भाई वियोम हैं।यू पी पुलिस भर्ती के लिए अभ्यर्थीयो की रिटर्न परीक्षा, फिजिकल व फाइनल मेरिट लग चुकी है अब चिकित्सीय परीक्षण के बाद चयन होने की प्रकिर्या शेष है।वहीं क्षेत्र के गांव नन्हेंड़ा की तनु, रसूलपुर की अंजलि, सिकंदरपुर की तनु शर्मा, भोकरहेड़ी की शिवानी व पूजा, मोरना की गुंजन, बहुपुरा की ऑचल,शुक्रतारी की नेहा, भोपा की डोली व रेणु, बेहड़ा थरू की सोनिया,कादीपुर की पारुल, मोरना चीनी मिल की प्रतिभा यादव, निरगाजनी की अभिषा व नेहा चौधरी, रहमतपुर की प्रियांश अंतल, भिड़ाहेड़ी की नीतू यादव आदि ने कड़ी मेहनत से ग्रामीण क्षेत्र मे महिला स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ाया है।

कुछ दृश्य हृदयविदारक होने के साथ–साथ हमारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल..!!'

हमारी मानवता कहा घूम हो गई है कि हम देख कर भी अनजान बनकर सीधे निकल जाते..!!

- सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2018 में सरकार ने एक कानून बनाया था, जिसमें सड़क दुर्घटना में घायलों को मुफ्त इलाज का वादा, क्या कागजों तक..!!
- दुर्घटना के बाद का पहला घंटा,किसी घायल की जान बचाने के लिए सबसे अहम, अस्पतालों को जवाबदेह..!!

मुजफ्फरनगर। आज हमारी मानवता कहा घूम हो गई है कि हम देख कर भी अनजान बनकर सीधे निकल जाते हैं तथा मानवीय संवेदनशीलता तक खत्म होती नजर आती है जब किसी का परिवार सदस्य किसी एक्सीडेंट में घायल हो जाता है तो हम अपना फर्ज भूलकर मात्र यह सोचते हुए निकल जाते हैं कि हम क्यों किसी मसाले में पड़े हम कभी यह नहीं सोचते हैं कि कि हमारे खातिर किसी की जान भी बच सकती है लेकिन वही सरकार भी कहीं ना कहीं एक्सीडेंट के मामलों में अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन नहीं करते है!जब सड़क पर एक घायल व्यक्ति तड़प रहा होता है और उसे समय पर इलाज न मिलने से उसकी सांसें थम जाती हैं,तो यह दृश्य हृदयविदारक होने के साथ–साथ हमारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है! सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में सरकार की लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, क्योंकि सरकार करने में विफल रही है! 'गोल्डन आवर' यानी दुर्घटना के बाद

श्गोल्डन आवरश में भुगतान रहित इलाज की योजना को लागू का पहला घंटा, जो किसी घायल की जान बचाने के लिए सबसे अहम होता है!यह टिप्पणी सरकार की उदासीनता पर कड़ा प्रहार है! सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2018 में सरकार ने एक कानून बनाया था, जिसमें सड़क दुर्घटना में घायलों को मुफ्त इलाज का वादा किया गया। मगर सात साल बाद भी यह योजना कागजों तक सीमित है! अधिकतर अस्पताल मरीजों से पैसे मांगते हैं और इलाज में देरी से हर साल हजारों लोग मर जाते हैं!यह प्रशासनिक नाकामी और मानवीय संवेदनशीलता की कमी को दर्शाता है! सरकार को इस योजना को तुरंत लागू करना चाहिए,अस्पतालों को जवाबदेह बनाना चाहिए।

ग्रेजुएशन डे पर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

भोपा। भोपा –मुज़फ्फरनगर मार्ग पर स्थित सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल मे ग्रेजुएशन डे बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की वंदना से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने गणेश वंदना प्रस्तुत की।कार्यक्रम में कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

जिनमे कक्षा 6 में अद्विका राठी, छवि चौधरी प्रथम छवि पाल द्वितीय मानबया चौधरी तृतीय कक्षा 7 खुशी सिंह, अविरल पाल प्रथम, रमनजोत सिंह, राधिका द्वितीय, अर्णव शर्मा तृतीय कक्षा 8 में इशिका शर्मा, पर्व राजवंशी प्रथम, शौर्य राज तोमर द्वितीय, रमशा सलीम, नेमत तेजस्वी तृतीयकक्षा 9 में कशिश (प्रथम), अक्षिता चौहान (द्वितीय), मोक्षी दक्ष तृतीय कक्षा 11 में निहारिका, मानशी प्रथम, ब्रेवजोत कौर, प्रीत अग्रवाल, नंदनी द्वितीय, आयशा, इशिका राठी तृतीय को सम्मानित किया गया। इस दौरान संस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायक संदेश शिक्षा के साथ–साथ कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए सीनियर विद्यार्थियों ने शानदार राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्या मोनिका चौधरी ने बच्चों को कड़ी मेहनत और ईमानदारी से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और सफलता का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रबंधक संजय तोमर अध्यक्ष ओमपाल सिंह आदि रहे।

बड़ी कार्यवाही: एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने कराये ताबड़तोड़ चालान

–ओवरलोड वाहनों पर 6,71,400 रुपये का लगाया जुर्माना, ओवरलोड ट्रकों को कराया सीज

मुज़फ्फरनगर। कुछ दिनों से जनपद मुजफ्फरनगर में ओवरलोड वाहनों की शिकायत प्राप्त होने पर आज एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने स्वयं संज्ञान लेकर परिवहन व पुलिस विभाग के साथ संयुक्त रूप से सड़कों पर उतर पड़ी और उनके द्वारा एआरटीओ मुजफ्फरनगर श्री सतीश कुमार मिश्रा व यात्री कर अधिकारी, प्रवर्तन दल, नायब तहसीलदार खतौली अमित रस्तोगी व पुलिस बल खतौली को साथ लेकर थाना क्षेत्र खतौली में संयुक्त अभियान चलाया जिसमें उन्होंने ओवरलोड वाहनों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 6,71,400/– रुपए का जुर्माना लगाया इसी के साथ 13 वाहनों को सीज कराते हुए थाने में खड़ा करा दिये गये। तथा कुछ अन्य वाहनों पर भी परिवहन विभाग के द्वारा चेकिंग की गई और जिस वाहन पर जो भी कमी पाई गई उसके अनुरूप नियमों के अनुसार वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई गई और कुल 48 वाहनों पर 6,71,400 रुपये का जुर्माना लगाया गया। एसडीएम की उक्त कार्रवाई से ट्रक मालिकों में हड़कप मच गया।

एसडीएम ने परिवहन विभाग व यातायात पुलिस को निर्देशित किया कि वह इसी तरीके से प्रतिदिन अभियान चलाकर कार्रवाई करें तथा अपनी कार्रवाई से उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराये। किसी भी स्थिति में नियमों के विरुद्ध कोई भी वाहन रोड पर चलते हुए ना पाया जाए।

वहीं एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने बताया कि आज संयुक्त अभियान परिवहन विभाग व पुलिस विभाग के साथ चलाया गया है जिसमें कुछ वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई की गई है जुर्माना भी लगाया गया हैं आगे भी परिवहन विभाग व पुलिस विभाग संयुक्त रूप से इसी तरीके से अभियान चलाकर कार्रवाई करते रहेंगे।

भाजपा नेत्री ने 76 साल के बुजुर्ग को दी ड्रम में भरवाने की धमकी

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी ने उठाई बुजुर्ग के उत्पीड़न की आवाज, प्रशासन से जांच की मांग

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने एक बार फिर से उत्पीड़न का शिकार एक 76 साल के बुजुर्ग के लिए इंसाफ की आवाज को बुलंद किया है। इस बुजुर्ग को भाजपा नेत्री ने नीले ड्रम में भरवाकर गायब कराने की धमकी देने के साथ ही भयभीत किया जा रहा है। मामला मकान के आगे नियमों के खिलाफ बिजली विभाग का खम्भा लगवाने का है।

शहर के द्वारिकापुरी की गली नम्बर चार में रहने वाले बुजुर्ग विपिन कुमार पुत्र डॉ. भगवत शरण ने राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी से मिले और शिव चौक पर उनको एक प्रार्थना पत्र सौंपा। विपिन कुमार ने बताया कि भाजपा नेत्री रोशनी पांचाल उनके ही पड़ोस में रहती है और उनके मकान के उत्तरी में लगा बिजली का खम्भा अनावश्यक रूप से पार्टी का दबाव बनाकर उनके मकान के सामने लगवा दिया है। विरोध किया तो हत्या करा कर नीले ड्रम में भरवाने की धमकी देती है। वो भयभीत और परेशान है। वो बिजली विभाग के अधिकारियों को भी कई बाद लिखित में शिकायत दे चुके हैं, लेकिन रोशनी पांचाल के प्रभाव में उनकी समस्या को अनदेखा कर खम्भा लगवा दिया गया है।

मनीष चौधरी ने मीडिया को बताया कि शिव चौक के पास लगभग कई वर्षों से मेडिकल स्टोर चलाने वाले बुजुर्ग विपिन कुमार को उनकी ही पडोस में रहने वाली एक भाजपा नेत्री रोशनी नामक महिला अनावश्यक रूप से परेशान कर रही है। इन्होंने हमारी संस्था से समस्या के समाधान के लिए मदद मांगी है। बताया कि महिला भाजपा नेत्री है और इन बुजुर्ग के मकान के पास ही बिजली का खम्भा नियमों के खिलाफ लगवा दिया गया है। बुजुर्ग ने विरोध किया तो महिला नेत्री ने उनको नीले ड्रम में बंद करवा कर गायब कराने की भी धमकी दी है। महिला लगातार इनसे गाली गलौच कर अभद्रता करती है। मनीष चौधरी ने जिला प्रशासन से बुजुर्ग विपिन कुमार की समस्या का समाधान कराने के साथ ही प्रकरण की पूर्ण निष्पक्ष जांच कराकर कार्यवाही कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि उनको उत्पीड़न किया गया तो सामाजिक संस्था अपनी पूरी टीम के साथ भाजपा नेत्री के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इनको न्याय दिलाने की आवाज उठायेगी।

सूबेदारगंज-उधना साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. 04155/04156 सूबेदारगंज - उधना साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04155 सूबेदारगंज - उधना			गाड़ी संख्या - 04156 उधना - सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	11:40	सूबेदारगंज	21:00	.....
13:10	13:12	फतेहपुर	18:58	19:00
14:55	15:00	गोविन्दपुरी	17:35	17:40
16:30	16:32	पुखरायाँ	16:00	16:02
17:20	17:22	उरई	15:00	15:02
19:35	19:40	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	12:35	12:40
20:50	20:52	ललितपुर	10:38	10:40
23:00	23:05	बीना	09:40	09:45
02:00	02:05	रानी कमलापति	06:30	06:35
03:40	03:50	इटारसी	04:25	04:35
07:50	07:55	भुसावल	22:10	22:15
09:13	09:15	अमलनेर	19:50	19:52
10:30	10:40	नंदुरबार	18:30	18:40
12:45	12:47	चलथान	16:48	16:50
13:30	.....	उधना	.....	16:30

• सूबेदारगंज से गाड़ी संख्या 04155, प्रत्येक सोमवार, दिनांक : 21.04.2025 से 30.06.2025 तक • उधना से गाड़ी संख्या 04156, प्रत्येक मंगलवार, दिनांक : 22.04.2025 से 01.07.2025 तक

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 07, स्लीपर श्रेणी : 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 02

नोटः ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 681/25(AS)

सम्पादकीय.....

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024–25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतरू लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा–शक्ति को दर्शाया जाएगा। समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए। साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिये सख्त दंड का भी प्रावधान किया जाना जरूरी है। बिजली चोरी में लिप्त लोगों की पहचान होने पर उन्हें दंडित किया जाना जरूरी है। साथ ही ऐसे लोगों को मुफ्त बिजली पाने की योजना का लाभ उठाने के अधिकार से भी वंचित किया जाना चाहिए। दरअसल, सख्त व पारदर्शी दंड व्यवस्था ही चोरी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगा सकती है। पीएसपीसीएल को अधिक नुकसान नहीं उठाना चाहिए, जबकि पंजाब पहले ही कर्ज का बोझ उठाने वाले राज्यों में दूसरे स्थान पर है।

गुजरात से बड़ी लड़ाई का संकेत देते राहुल

डॉ. दीपक पाचपोर

हर बार राहुल का यह कहना कि भाजपा को हराने की ताकत कांग्रेस रखती है, न सिर्फ कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है वरन उन्हें 2027 की तैयारियां अभी से करने के लिये प्रेरित भी करता है।

पिछले माह यानी मार्च में, तत्पश्चात मात्र 6 दिन पहले कांग्रेस की अहमदाबाद में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये ही थे, मंगलवार–बुधवार को वे फिर से गुजरात में थे। वे आये थे एक ऐसे राज्य की पार्टी इकाई में प्राण फूंकने पहुंचे जो पिछले साढ़े तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। यहां पार्टी का केवल एक सांसद है तथा सिर्फ 17 विधायक हैं। दरअसल कार्यकर्ताओं में जोश भरने के साथ–साथ राहुल गांधी जमीनी स्तर तक पार्टी का रूप–रंग बदलते दिखाई दे रहे हैं। राज्य के चुनाव अभी दूर हैं (2027 में होंगे) लेकिन संगठन की जो नयी कार्यप्रणाली यहां राहुल विकसित कर रहे हैं, वह अन्य सूबों में भी लागू हो सकती है। होनी ही चाहिये। पिछले दौरे पर राहुल ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मैराथन मुलाकातें की थीं। उसके बाद कार्यकर्ताओं को दिये सम्बोधन में उन्होंने भितरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया था कि श्वे भारतीय जनता पार्टी की बी–टीम बनकर काम करने की बजाय संगठन से बाहर चले जायें।श इस बात को उन्होंने इस दौरे में दोहराया है। उन्होंने पिछली बार गुजरात में ही कहा था कि श्पार्टी से कुछ ऐसे लोगों को निकाल बाहर करने की जरूरत है जो भारतीय जनता पार्टी से मिले हुए हैं।श साफ है कि उनकी यह चेतावनी गुजरात के नेताओं तक सीमित न होकर सभी राज्य इकाइयों के लिये अलार्म होगी। मंगलवार को अहमदाबाद कांग्रेस कार्यालय में उन्होंने जिला अध्यक्षों तथा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की थी जिसमें 5 सदस्यों की एक टीम बनाई गई जो 45 दिनों में आलाकमान को जमीनी रिपोर्ट देगी। इसके बाद नये जिलाध्यक्ष नियुक्त होंगे। इसका मानदण्ड उनकी सक्रियता, पार्टी के प्रति निष्ठा एवं दृढ़ वैचारिक प्रतिबद्धता होगी। बुधवार को राहुल ने मोडासा जिले के अरावल्ली में श्संगठन सृजन अभियानश की शुरुआत की जिसका उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त और जवाबदेह बनाना है। इस नई प्रणाली से पार्टी के संगठन को मजबूती मिलने की आशा है। याद हो कि अहमदाबाद सीडब्ल्यूसी में राहुल ने कहा था कि जिला अध्यक्ष ही संगठन की नींव बनें। वे ही पार्टी की मुख्य ताकत होने चाहिये। जिला कमेटी और जिला अध्यक्ष को शीर्ष नेतृत्व पार्टी की बुनियाद बना रहा है। पार्टी इकाई ने अधिवेशन के बाद गुजरात के 33 जिलों और 8 प्रमुख शहरों के अध्यक्षों की नियुक्ति हेतु 42 केंद्रीय और 183 प्रदेश स्तर के पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। उन्होंने इस बात को दोहराया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को हराने की ताकत केवल कांग्रेस में है, और जीत का रास्ता गुजरात से होकर जाता है। बुधवार की बैठक में राहुल ने कहा कि, श्देश में चल रही लड़ाई सिर्फ राजनीतिक नहीं वरन भाजपा–संघ और कांग्रेस के बीच विचारधाराओं की लड़ाई भी है। उन्होंने याद दिलाया कि श्गुजरात ने ही पार्टी को दो सबसे बड़े नेता– महात्मा गांधी और सरदार पटेल दिए हैं परन्तु हमें लंबे समय से गुजरात में नाकामी मिल रही है।श राहुल का यह बतलाना कि कई सूत्रों से उन्हें जानकारी मिली है कि वरिष्ठ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा रचनात्मक नहीं बल्कि विनाशकारी है। साथ ही, टिकट वितरण प्रक्रिया में स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं को शामिल न किया जाना भी नुकसानदेह साबित हुआ है।गुजरात के तीनों ही दौरे (अधिवेशन समेत) पार्टी को अनेक महत्वपूर्ण संकेत व संदेश दे रहे हैं। हर बार राहुल का यह कहना कि भाजपा को हराने की ताकत कांग्रेस रखती है, न सिर्फ कार्यकर्ताओं में जोश भर रहा है वरन उन्हें 2027 की तैयारियां अभी से करने के लिये प्रेरित भी करता है। यह केवल गुजरात की बात नहीं वरन लगभग हर राज्य में यही दिखता है कि चुनाव सिर पर आने तक कांग्रेस की तैयारियां नहीं रहतीं। अंतिम समय तक उम्मीदवार घोषित नहीं होते तथा जिसे भी प्रत्याशी बनाकर उतारा जाता है, प्रतिस्पर्धी खेमा जो पार्टी टिकट से वंचित रह जाता है वह या तो निष्क्रिय हो जाता है अथवा भाजपा को प्रत्यक्ष–परोक्ष मदद करता है। यदि कोई समझे कि राहुल की यह चेतावनी केवल गुजरात इकाई के लिये है तो वह गलतफहमी में है। पार्टी के भीतर से जो संकेत मिल रहे हैं वे यही बताते हैं कि किसी भी राज्य में अब आलाकमान ऐसे लोगों से मुरव्वत नहीं बरतने जा रहा। भितरघात से कांग्रेस को बहुत नुकसान हुआ है। जिन लोगों को संगठन ने महत्वपूर्ण पद दिये वे भी पिछले दिनों विभिन्न कारणों से पार्टी को ठेंगा दिखाकर अलग हो गये। इनमें से ज्यादातर तो भाजपा में ही गये– कुछ केन्द्रीय जांच एजेंसियों से घबराकर तो कुछ पैसे या पदों के लालच में। जो सीधे छोड़ जाते हैं वे फिर भी कम आघात पहुंचाते हैं, लेकिन ऐसे लोग जो दल के भीतर रहते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होते हैं, कहीं अधिक नुकसानदेह साबित हुए हैं। राहुल अब ऐसे लोगों को सीधे चुनौती दे रहे हैं कि जिन्हें पार्टी छोड़कर जाना है, वे अभी से चले जायें। इसका कारण यह है कि राहुल, उनकी पार्टी तथा सभी लोग जान गये हैं कि कांग्रेस की लड़ाई जैसे–जैसे जोर पकड़ रही है, भाजपा सरकार संगठन के नेताओं को अधिक डरायेगी। कहें तो डरा ही रही है। 9 अप्रैल को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से नेशनल हेराल्ड के मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, राजीव के प्रेस सलाहकार सुमन दुबे व एक ट्रस्टी और ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। मंगलवार को प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को भी हरियाणा जमीन मामले में ईडी ने पूछताछ के लिये बुलाया था। साफ है, जो डरेगा वह कांग्रेस में रह नहीं सकेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में गोबर विमर्श

सर्वमिला सुरजन

ऐसा लग रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया को अपने कदमों में झुकाने की हसरत पाले दूसरी बार सत्ता में आए हैं। जिस लोकतंत्र पर अमेरिका की जनता को इतना अभिमान रहा है, उसकी धज्जियां उड़ाने में ट्रंप कोई कसर नहीं छोड़ रहे। पाकिस्तानी शायरा फहमीदा रियाज याद आती है–ः तुम बिल्कुल हम जैसे निकले, अब तक कहां छुपे थे भाई। वो मूरखता वो घामड़–पन, जिस में हम ने सदी गंवाई। आखिर पहुंची द्वार तुहारे, अरे बधाई बहुत बधाई।। फहमीदा रियाज ने ये नज़्म भारत और पाक में लोगों की एक जैसी सोच पर लिखी थी, लेकिन फिलहाल अमेरिका से हर बात में तुलना करने को आतुर भारतीय ये सोचकर खुश हो सकते हैं, जो हाल हमारे यहां लोकतंत्र का हो रहा है, वही अमेरिका में नजर आ रहा है। हालांकि वहां हार्वर्ड विश्वविद्यालय जैसी मजबूती लोकतंत्र के भविष्य को भी मजबूत करने के संकेत देती है। भारतीय विश्वविद्यालय इस मामले में कमजोर साबित हो रहे हैं। उनकी प्रतिष्ठा राजनीति का औजार बन कर खत्म होती जा रही है और समाज इस मामले में लगभग बेजार दिख रहा है। बस लक्ष्मीबाई कॉलेज में प्राचार्य कक्ष में गोबर लीपने जैसी कुछ घटनाएं बता रही है कि अभी पोंगापंथ के आगे वैज्ञानिक नजरिए ने पूरी तरह से घुटने नहीं टेके हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने कई फैसलों को लेकर विवादों में रहे और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन ने कह भी दिया कि सौ दिनों में काफी विनाशकारी फैसले ट्रंप ने लिए हैं। नए टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया से अदावत, रूस–यूक्रेन के बीच मध्यस्थता के नाम पर अपनी टांग अड़ाना, प्रवासी नागरिकों के लिए नियमों को कठिन करना, ऐसे कई फैसले ट्रंप ने लिए जिससे उनकी मजबूती साबित हो। ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय को भी अपने आगे झुकाने के लिए दांव चला और अपनी मांगों की एक सूची विश्वविद्यालय को भेजी, जिसमें कहा गया कि– अमेरिकी मूल्यों के मुखालफत करने वाले छात्रों की सूचना सरकार को दी जाए यह सुनिश्चित किया जाए कि हर शैक्षणिक विभाग का दृष्टिकोण विविधतापूर्ण हो यूनिवर्सिटी के विभागों का ऑडिट करने के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त बाहरी कंपनी को नियुक्त किया जाए यहूदी विरोधी उत्पीड़न को सबसे अधिक बढ़ावा देने वाले विभागों की सूचना दी जाए पिछले दो वर्षों में परिसर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए उल्लंघनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए विश्वविद्यालय की विविधता, समानता और समावेशन की नीतियों और कार्यक्रमों को खत्म किया जाए। ट्रंप प्रशासन की इन मांगों को पूरा करने पर ही हार्वर्ड विश्वविद्यालय को संघीय अनुदान मिलना जारी रहता। लेकिन विश्वविद्यालय ने अपनी स्वतंत्रता या अपने संवैधानिक अधिकारों को नहीं छोड़ने का ऐलान करते हुए इन मांगों को मानने से इंकार कर दिया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने साफ कर दिया कि व्हाइट हाउस उस पर नियंत्रण की तैयारी कर रहा है, इसलिए वह इन मांगों को नहीं मानेगा। इस तनातनी का परिणाम ये निकला कि ट्रंप प्रशासन ने करीब 2 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अनुदान रोक दिया है। इतनी बड़ी रकम से वंचित रहने पर विवि के कामकाज और प्रबंधन पर तात्कालिक असर तो पड़ेगा, लेकिन कम से कम भविष्य के लिए न झुकने का रास्ता तैयार हो चुका है। इस फैसले ने साबित कर दिया है कि क्यों हार्वर्ड दुनिया के नामचीन विश्वविद्यालयों में शुमार होता है, और ये भी समझ आ रहा है कि क्यों ट्रंप को इससे दिक्कतें हो रही हैं। आखिर मोदीजी को भी तो इसी तरह जेएनयू, एएमयू जैसे शिक्षा संस्थानों से दिक्कतें हुईं। वैसे अपनी हीनभावना की ग्रंथि के इलाज के लिए श्री मोदी एक बार हार्वर्ड को भी निशाने पर ले चुके हैं। याद कीजिए किस तरह नोटबंदी के फैसले पर डॉ. मनमोहन सिंह ने इसके दुष्परिणामों का अनुमान लगाया था तो मोदी ने कहा था कि बड़े विद्वान, कुछ हार्वर्ड से, कुछ ऑक्सफोर्ड से... कुछ ने कहा कि जीडीपी में 2 प्रतिशत की गिरावट आएगी, अन्य ने कहा कि (नोटबंदी के बाद) 4 प्रतिशत की गिरावट आएगी... लेकिन देश ने देखा है कि हार्वर्ड के लोग क्या सोचते हैं और कड़ी मेहनत करने वाले लोग क्या सोचते हैं। वहीं इससे पहले 2014 में भी नरेन्द्र मोदी ने यूपीए सरकार की अर्थव्यवस्था को लेकर कहा था कि श्वित्त मंत्री हार्वर्ड से हैं। प्रधानमंत्री अर्थशास्त्री हैं और उनके पास भी एक बडे विश्वविद्यालय की डिग्री है। मेरे पास हार्ड वर्क (कठोर परिश्रम) है। हार्वर्ड जाने का कोई मतलब नहीं है। जो मायने रखता है, वह कठोर परिश्रम है। जो साधारण से स्कूल में पढ़ा हो, चाय बेची हो और हार्वर्ड के दरवाजे तक न देखे हो, उस एक आदमी ने दिखा दिया कि अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए क्या करना चाहिए। इस किस्म के बड़बोलेपन का कोई इलाज नहीं है, हालांकि अब देश देख रहा है कि बेतुके शब्दाडंबर करने का नुकसान देश को हुआ और आज तक अर्थव्यवस्था डांवाडोल है। वैसे 2017 में जब नरेन्द्र मोदी ने हार्वर्ड पर टिप्पणी की थी तो उस वक्त हार्वर्ड के छात्र प्रतीक कंवल ने बाकायदा चिठ्ठी लिखकर कहा था कि श्भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को विकसित करने के लिए, आपको ऐसे लोगों की मदद की आवश्यकता होगी जो अलग दृष्टिकोण लेकर आएं। अर्थशास्त्रियों और विश्वसनीय शैक्षणिक संस्थानों का मजाक उड़ाना हमें दुनिया से अलग–थलग कर देगा। पता नहीं उस चिठ्ठी का मर्म नरेन्द्र मोदी ने समझा या नहीं, लेकिन 2017 से 2025 तक हमने देश के शैक्षणिक संस्थानों में सिलसिलेवार गिरावट ही देखी है। 2016 में जेएनयू प्रसंग को अब भी भाजपा विपक्ष को निशाने पर लेने के लिए इस्तेमाल करती है और टुकड़े–टुकड़े गैंग जैसे शब्द उसके शब्दकोष में स्थायी जगह बना चुके हैं। शैक्षणिक संस्थाओं में दकियानूसी, कट्टर और रुढ़िवादी सोच के शिक्षकों को परंपरा और संस्कृति के नाम पर भरा जा रहा है, जो हर किस्म की चेतना से घबराते हैं, नए विचारों से दूर भागते हैं। अभी हाल में दिल्ली विश्वविद्यालय के लक्ष्मीबाई कॉलेज की प्राचार्या ने कमरे की दीवारों पर गोबर लीपा ताकि ठंडक बनी रहे। जबकि इस कॉलेज की छात्राओं की शौचालय, पुस्तकालय, स्वच्छ पेयजल, कैंटीन या अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर जो मांगें हैं, उसके समाधान की कोशिशें नहीं की जा रही हैं। कक्षा की दीवार पर गोबर लीप कर प्राचार्या महोदया ने निश्चित ही भाजपा के सामने अपने अंकों को बढ़ाने की कोशिश की, हालांकि दिल्ली विवि छात्रसंघ के अध्यक्ष रौनक खत्री ने इसका तुरंत ही सही प्रतिवाद किया। पहले रौनक खत्री ने ऐलान किया था कि वे भी अब गोबर लीपने प्राचार्या के कक्ष में आएंगे और वहां के एसी को छात्रों के लिए दे देंगे और अगले दिन रौनक खत्री बाकायदा गोबर लेकर पहुंच भी गए। उनके आने से पहले प्राचार्या महोदया तो कहीं चली गई, लेकिन अन्य शिक्षिका ने उन्हें रोकने की पूरी कोशिश की, मगर वे सफल नहीं हुईं। रौनक खत्री ने इस दौरान कॉलेज की छात्राओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना भी। छात्रसंघ अध्यक्ष का यह विरोध सामयिक और सटीक है, क्योंकि अगर मुंहजबानी प्राचार्या के कृत्य का विरोध किया जाता तो उसका असर नजर नहीं आता, अब कम से कम छात्रों को ऐसे मूढ़तापूर्ण कार्यों पर आवाज उठाने और बिना बेहूदगी के विरोध करने का हौसला मिलेगा। यह देखकर अच्छा लगा कि रौनक खत्री या उनके साथियों ने न शिक्षकों से दुर्व्यवहार किया, न किसी किस्म के उपद्रव का माहौल बनाया। अन्यथा छात्रों के विरोध अक्सर जोश–जोश में गलत रास्ते पर चले जाते हैं और फिर सत्ता को दखलंदाजी का और मौका मिलता है। जेएनयू, बीएचयू, एएमयू, जादवपुर विवि, हैदराबाद विवि, आईआईटी, आईआईएम ऐसे तमाम प्रतिष्ठित भारतीय शिक्षा संस्थान ऐसी ही दखलंदाजियों का शिकार होकर बर्बादी के रास्ते पर हैं। नरेन्द्र मोदी नालंदा की पुनर्प्रतिष्ठा की बात करते हैं, लेकिन ऐसे कई संस्थान जिनमें नालंदा जैसी ऊंचाइयों पर पहुंचने की क्षमता थी, उन्हें पिछले 10 सालों में सड़ी–गली राजनीति में कैद किया गया है। अच्छा है कि डीयू में रौनक खत्री ने एक जरूरी हस्तक्षेप किया है। जो तसल्ली हार्वर्ड के न झुकने के ऐलान से हुई है, वही रौनक खत्री के प्राचार्या कक्ष में गोबर लीपने से हुई है।

2014 से 15 प्रतिशत बढ़े प्राइवेट स्कूल, लगातार बढ़ा रहे फीस

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमेशा से देश में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देती रही है। हाल ही के आंकड़ों से पता चलता है – 2014–15 से 2023–24 के दौरान प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और उन्होंने पिछले तीन वर्षों में अपनी फीस में 50–80 प्रतिशत की वृद्धि की है। दूसरी ओर, पिछले एक दशक के दौरान देश में सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आयी है, जिनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में हैं। दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छिड़ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती हैं, जो केवल उन्हीं छात्रों को शिक्षा देते हैं जिनके माता–पिता या अभिभावक आर्थिक रूप से संपन्न हैं या कम से कम जो किसी तरह से फीस वहन कर सकते हैं, हालांकि बहुत मुश्किल से। यह इस देश के बच्चों के सार्वभौमिक और समान शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है और अपेक्षाकृत गरीब परिवारों के बच्चों के लिए असमान शिक्षा स्तर बनाता है। अभिभावकों तथा माता–पिता में यह डर प्राइवेट स्कूलों के प्रति उनके आकर्षण को बढ़ाता है। अभी पिछले फरवरी महीने में ही केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 2014–15 और 2023–24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आई है और प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल संख्या की बात करें तो सरकारी स्कूलों की संख्या में 89,441 की कटौती की गयी, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 42,944 की वृद्धि हुई। वर्तमान में देश में 10,17,660 सरकारी स्कूल हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या 3,31,108 है। सदन में दिये गये आंकड़ों से पता चला है कि भाजपा शासित दो राज्यों– मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक सरकारी स्कूल बंद किये। मध्य प्रदेश ने 29,410 सरकारी स्कूल बंद किये हैं और उत्तर प्रदेश ने 25,126 सरकारी स्कूल बंद किये हैं। इन दोनों राज्यों ने मिलकर देश में हुई कटौती में 60. 9 प्रतिशत का योगदान दिया है। पिछले दशक के दौरान उत्तर प्रदेश में 19,305 प्राइवेट स्कूलों की वृद्धि देखी गयी, जो देश में प्राइवेट स्कूलों की कुल वृद्धि का 44.9 प्रतिशत है। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गिरावट 24.1 प्रतिशत रही, उसके बाद जम्मू–कश्मीर में 21.4 प्रतिशत, ओडिशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15.5 प्रतिशत, झारखंड में 13.4 प्रतिशत, नागालैंड में 14.4 प्रतिशत, गोवा में 12.9 प्रतिशत और उत्तराखंड में 8.7 प्रतिशत रही। प्राइवेट स्कूलों के मामले में, कुल 10 राज्यों ने 14.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि को पार कर लिया। बिहार में प्राइवेट स्कूलों में 179.14 प्रतिशत, ओडिशा में 80.36 प्रतिशत, तथा उत्तर प्रदेश में 24.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तीन राज्य,केंद्र शासित प्रदेश जहां प्राइवेट स्कूलों की संख्या में गिरावट आयी, वे थे मेघालय में 5.36 प्रतिशत, एनसीटी दिल्ली में 2.88 प्रतिशत और हिमाचल प्रदेश में 0.27 प्रतिशत। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इन राज्यों में सरकारी स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां अधिक हैं, खासकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारी स्कूल शिक्षा के मामले में पिछड़े हुए हैं, जिसके कारण वहां प्राइवेट स्कूलों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इससे ही समझा जा सकता है कि पिछले एक दशक में देश भर में प्राइवेट स्कूलों को सरकारी स्कूलों से ज्यादा अहमियत कैसे मिल रही है। इससे प्राइवेट स्कूल छात्रों से अत्यधिक फीस वसूलने में सक्षम हो जाते हैं। एक तरफ परिवारों की वास्तविक आय में गिरावट और दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि की पृष्ठभूमि में इस साल की स्थिति विशेष रूप से अभिभावकों के लिए परेशानी भरी हो गयी है। हाल ही में लोकल सर्किल द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में पिछले तीन वर्षों में प्राइवेट स्कूलों की फीस में 50–80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग 93 प्रतिशत अभिभावकों ने फीस वृद्धि को नियंत्रित न करने के लिए सरकारों को दोषी ठहराया है। सर्वेक्षण में देश भर के 309 जिलों को शामिल किया गया। आठ प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि ट्यूशन फीस में वृद्धि 80 प्रतिशत से अधिक है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र को छोड़कर देश में कोई भी राज्य प्राइवेट स्कूल की फीस को नियंत्रित नहीं करता है। शैक्षणिक सत्र 2025–26की शुरुआत होते ही देशभर से प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। दिल्ली में, अभिभावकों का विरोध राजनीतिक हो गया है, क्योंकि राज्य में भाजपा सत्ता में आ गयी है और फरवरी 2025 का चुनाव हारने वाली आप विपक्ष में है। आप को सरकारी स्कूलों की शिक्षा को अधिकांश प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाने का श्रेय दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की संख्या में कमी आयी है। आप ने प्राइवेट स्कूलों में हाल ही में की गयी फीस वृद्धि को लेकर भाजपा शासन पर हमला करते हुए दावा किया है कि सत्तारूढ़ भाजपा और गैर–सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ के अध्यक्ष के बीच संबंध है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली के स्कूलों में अत्यधिक फीस वृद्धि हुई है। यह मुख्यमंत्री से जुड़े शहितों के टकरावश का एक खुला मामला है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, श्एक ही संगठन और उसके मुखिया, जिसका मुख्य एजंडा दिल्ली भर में स्कूल फीस बढ़ोतरी को बढ़ावा देना है, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चुनाव अभियान में शामिल थे।श जवाब में, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप फरवरी के चुनाव में हार से निराश है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस बढ़ोतरी के खिलाफ उचित कार्रवाई का वायदा किया है। प्राइवेट स्कूलों द्वारा अतार्किक फीस बढ़ोतरी का मुद्दा पूरे भारत में एक समस्या है और इसलिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र के साथ–साथ राज्यों द्वारा उचित नीति प्रतिक्रिया और कानून बनाकर निपटाया जाना चाहिए। केंद्र की वर्तमान शिक्षा नीति सरकारी स्कूली शिक्षा के लिए हानिकारक और प्राइवेट स्कूलों या शिक्षा के निजीकरण के लिए फायदेमंद प्रतीत होती है।

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के 20 साल पूरे, चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' के बुधवार को रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था। सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया। उन्होंने कहा, "पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है।श मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया। भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द–गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है। चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं। हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी द बंगाल चौप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं। इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी। इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है। फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> "
>
> चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया। उन्होंने कहा, "पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में सनी देओल, रणदीप हुड्डा और जाट निर्माताओं के खिलाफ FIR दर्ज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह के खिलाफ उनकी नई रिलीज हुई फिल्म श्जाटश के एक दृश्य में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। जालंधर पुलिस ने बुधवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य) के तहत प्राथमिकी दर्ज की। फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और इसके निर्माताओं के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि 10 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म के एक दृश्य ने पूरे ईसाई समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है।

जाट टीम के खिलाफ़ एफआईआर

जाट टीम के खिलाफ़ एफआईआर समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया– ष्जालंधर के सदर पुलिस स्टेशन में बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल और रणदीप हुड्डा, निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और फिल्म जाट के निर्माता नवीन यरनेनी के खिलाफ़ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में धारा 299 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी गई शिकायत में, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि ईसाई समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई गई है क्योंकि फिल्म जाट में ईसा मसीह के सूली पर चढ़ने जैसा दृश्य दिखाया गया है। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ समय बाद ही विवादों में आ गई थी। चर्च के एक खास दृश्य को लेकर ईसाई समुदाय ने इसकी आलोचना की, जिसके बाद इसके बहिष्कार की मांग भी उठी। इस दृश्य में हुड्डा के किरदार को वेदी के पास एक क्रूस के नीचे हिंसक तरीके से अभिनय करते हुए दिखाया गया है, जबकि पृष्ठभूमि में उपासक प्रार्थना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कथित तौर पर इस चित्रण ने कई लोगों को परेशान किया है, आरोप है कि यह दृश्य ईसाई मान्यताओं का अनादर करता है और आस्था को गलत तरीके से पेश करता है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म की स्क्रीनिंग को रोकने के लिए दबाव बढ़ रहा है, कुछ समूह अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। इससे पहले, समुदाय के नेताओं ने संयुक्त आयुक्त को एक औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत किया, जिसमें अधिकारियों से फिल्म पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया गया। इस बीच, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक विवाद को संबोधित नहीं किया है।

मेरा परिवार ही मुझे बर्बाद...फूट-फूट कर रोई रुपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा, लगाए कई आरोप

अनुपमा एक्ट्रेस रुपाली गांगुली और उनकी सौतेली बेटी ईशा वर्मा के बीच काफी समय से विवाद चल रहा है। नवंबर 2024 में ईशा ने रुपाली गांगुली पर उनका परिवार तोड़ने का आरोप लगाया था। इतना ही नहीं ईशा ने रुपाली पर हैरेसमेंट के भी आरोप लगाए थे। इन सबके बाद एक्ट्रेस ने सौतेली बेटी पर 50 करोड़ का मानहानि का केस कर दिया था। अब ईशा ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया है कि रुपाली के खिलाफ बोलने और उनका असली चेहरा दुनिया के सामने लाने पर क्या कुछ झेलना पड़ा है। आपबीती सुनाते हुए ईशा रो पड़ी। ईसा ने 16 अप्रैल को इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह बोलते–बोलते रो पड़ीं और कहा–आप जिस मुश्किल और दर्दनाक स्थिति से पब्लिकली गुजरते हैं, उसका असर किसी और पर पड़ता है। कुछ दिन आप ठीक रह सकते हैं और कुछ दिन आप पूरी तरह से टूट जाते हैं। बोलने की कोशिश करते हैं तो आपसे कड़े सवाल किए जाते हैं, जांच की जाती है। ईशा वर्मा ने कैप्शन में लिखा– श्मैं एक नेपो बेबी थी, जिसे छाया में रखा गया था। मैं चुप्पी, भ्रम और दर्द के साथ बड़ी हुई, जिसे सहना मेरा काम नहीं था। जब सच्चाई सामने आई, जैसी कि उम्मीद थी, तो मुझे ही दोषी ठहराया गया। मैं डरी हुई थी। मैं असुरक्षित थी। सपोर्ट करने के बजाय मुझे शर्मिंदा किया गया लेकिन महीनों के उत्पीड़न के बाद, मैं अपनी बात पर कायम हूं। ईशा वर्मा ने रुपाली पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उनकी वजह से ही उनके पैरेंट्स का तलाक हुआ, और उन्हीं के कारण वह पिता से दूर हो गईं। वहीं रुपाली गांगुली ने ईशा पर 50 करोड़ का मानहानि का केस किया था और नोटिस भेजा जिसमें कहा था कि ईशा के आरोपों के कारण उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट लेना पड़ा, और कई प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल गए।

मराठी भाषा विवाद पर शिव ठाकरे बोले–किसी को मजबूर नहीं कर सकते

अभिनेता शिव ठाकरे ने महाराष्ट्र में चल रहे मराठी भाषा विवाद पर खुलकर बात की है। शिव ने कहा कि हम कभी भी किसी को जबरदस्ती कोई भाषा बोलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते हैं। शिव ठाकरे से हाल ही में मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को मराठी बोलने के लिए मजबूर करने की घटनाओं पर अपने विचार साझा करने के लिए कहा गया। ठाकरे ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि आप किसी को मार कर या डांट कर किसी भाषा को बोलने के

लिए मजबूर नहीं कर सकते। हालांकि, आपको उस जगह की भाषा सीखने का नजरिया रखना चाहिए, जहां आप रहते हैं और कमाई कर रहे हैं। अगर मैं विदेश जाता हूं, तो मुझे गूगल की मदद से चीजों का वहां की भाषा में अनुवाद करना होगा। इसलिए, इन चीजों के बारे में एक नजरिया होना चाहिए। ठाकरे का मानना है कि लोगों को मराठी बोलने के लिए मजबूर करने का तरीका गलत है, लेकिन इरादा सही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मुंबई में रहने वालों को मराठी आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वे दूसरे राज्यों में जाते हैं, तो वे वहां की भाषा सीखने की कोशिश करते हैं। ठाकरे ने कहा, अगर कोई आपकी भाषा नहीं बोलता है तो उसे मारना सही नहीं है। मुझे लगता है कि अगर मैं गुजरात या असम जैसी जगह पर जाता हूं, तो मैं उनकी स्थानीय भाषा में कुछ शब्द सीखने का प्रयास करूंगा ताकि स्थानीय लोगों को अच्छा लगे। अपना खुद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, मैं हाल ही में बैंकॉक गया था, मैं शूटिंग के लिए केप टाउन भी गया था, मैंने उनकी भाषा सीखने का प्रयास किया। इसलिए मुझे लगता है कि यह तरीका गलत हो सकता है, लेकिन अगर आप मुंबई में रहते हैं तो आपको मराठी सीखने की कोशिश करनी चाहिए। हाल ही में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां मराठी में बात न करने पर लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है, जिसके कारण देश की आर्थिक राजधानी में भाषा को लेकर बड़ा विवाद देखने को मिला।

दीपिका कक्कड़ की ननद सबा ने मुंबई में खरीदे 3 शानदार फ्लैट, यूट्यूब पर व्लॉगिंग कर कमाती हैं करोड़ों

फेमस टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ की ननद सबा इब्राहिम ने भले ही शोबिज की दुनिया में कदम नहीं रखा, लेकिन वह अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। उनकी शादी से लेकर मिसकैरिज और बच्चे होने की खबरों को लेकर वह खूब चर्चा में रहीं। वह यूट्यूब पर व्लॉगिंग के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। वहीं, अब हाल ही में सबा भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली यूट्यूब फीमेल क्रिएटर्स में शामिल हो गईं हैं। दीपिका कक्कड़ की ननद सबा इब्राहिम अपने यूट्यूब चौनल से हर महीने लाखों रुपये कमा रही हैं और इसी कमाई से उन्होंने मुंबई में 3 लग्जरी फ्लैट भी खरीद लिए हैं। ये फ्लैट्स न सिर्फ महंगे हैं बल्कि बेहद स्टाइलिश और मॉडर्न इंटीरियर्स से लैस हैं। सबा ने इन फ्लैट्स को अपनी यूट्यूब इनकम से खरीदा है। इसके साथ ही उन्होंने हाल ही में अपने घर का रीनोवेशन भी करवाया, जिसकी झलक उन्होंने अपने व्लॉग्स में भी दिखाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया इनसाइट्स के मुताबिक, सबा इब्राहिम की कुल संपत्ति यानी नेट वर्थ लगभग 17 करोड़ रुपये से अधिक है। यह कमाई सिर्फ यूट्यूब से नहीं, बल्कि ब्रांड कोलैबोरेशन, स्पॉन्सरशिप्स, और सोशल मीडिया प्रमोशन्स से भी होती है। बता दें, सबा इब्राहिम अपने यूट्यूब चौनल पर अपनी जिंदगी से जुड़े हर छोटे–बड़े पलों को शेयर करती रहती हैं, जिससे उनकी फैन फॉलोइंग दिन–ब–दिन बढ़ती गई। इतना ही नहीं, वह अपने व्लॉग में भाभी दीपिका कक्कड़ और भाई शोएब इब्राहिम के साथ बिताए पलों को भी शेयर करती रहती हैं।

> "
>
> दीपिका कक्कड़ की ननद सबा इब्राहिम अपने यूट्यूब चौनल से हर महीने लाखों रुपये कमा रही हैं और इसी कमाई से उन्होंने मुंबई में 3 लग्जरी फ्लैट भी खरीद लिए हैं। ये फ्लैट्स न सिर्फ महंगे हैं बल्कि बेहद स्टाइलिश और मॉडर्न इंटीरियर्स से लैस हैं।

समर सीजन में ऐसे करें अपने स्कैल्प की केयर, इन बातों का रखें ध्यान

समर सीजन में भीषण गर्मी पड़ने से स्कैल्प में ड्राइनेस होने की समस्या हो जाती है। साथ ही इसका असर बालों पर भी पड़ता हैं। समर सीजन में स्कैल्प की केयर करनी चाहिए। बालों से जुड़ी समस्या पैदा न हो। वहीं अगर स्कैल्प हेल्दी रहेगा तो बाल भी सुंदर होंगे। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप स्कैल्प की केयर करने के लिए फॉलो करें।

स्कैल्प की मसाज करें

स्कैल्प को हेल्दी रखने के लिए आप तेल से स्कैल्प की अच्छी तरह से मसाज करें। स्कैल्प की मसाज करने से जहां ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प भी हेल्दी रहता है। वहीं स्कैल्प के हेल्दी रखने से बालों में विकास होती है। वहीं बाल झड़ने की समस्या कम होती है।

शैम्पू का ज्यादा न करें इस्तेमाल

समर सीजन में ज्यादा बालों को धोने से बचना चाहिए। हफ्ते में सिर्फ दो से तीन बार ही धोना चाहिए। बालों को ज्यादा धोने से बालों स्कैल्प को नुकसान हो सकता है। वहीं बालों को धोते समय कम शैम्पू का इस्तेमाल करें। बालों के लिए बेहतर शैम्पू के इस्तेमाल करें और इसके लिए आप डर्मेटोलॉजिस्ट या किसी ब्यूटी एक्सपर्ट की सलाह ले सकते हैं।

स्कैल्प पर न लगाएं कंडीशनर

गर्मियों के मौसम में पसीना बहुत होता है और इस वजह से हेयर्स ड्राई हो जाते हैं। कंडीशर का स्कैल्प पर इस्तेमाल करने से ड्राई हो जाते हैं। इसका प्रयोग करते समय ध्यान रखे कि इसे स्कैल्प पर न लगाएं। कंडीशनर स्कैल्प पर लगाने से बालों की जड़ों पर इसका असर है जो बालों को नुकसान पहुंता सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

– बालों पर ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल न करें।
– बाहर जाने के दौरान बालों को बांध कर रखे।
– धूल और प्रदूषण से बचाने के लिए बालों को कवर करें।
– बालों को ठंडे पानी से धोने से बचें।

गर्मियों में आपको ठंडा रखेंगे ये 5 सुपरफूड्स, आज ही करें डाइट में शामिल

गर्मियों का मौसम आते ही अपने साथ बहुत सी परेशानियों को साथ लेकर आता है। गर्मी में जैसे जैसे तापमान बढ़ता जाता है वैसे वैसे डिहाइड्रेशन, हमारे शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन और बेचौनी जैसी दिक्कतें भी आने लगती हैं। तापमान इतना ज्यादा होता है कि हमारा इस मौसम में कुछ ठंडा ठंदा पिने का मन करता है जिसके लिए हम अक्सर पानी , जूस या अन्य ठंडे ड्रिंक का सेवन करते रहते हैं लकिन गर्मियों में हमें ऐसे पौष्टिक तत्वों की जरूरत होती है जो के आपको शरीर में किसी तरह की कमी न होने दे। ऐसे में मौसमी फूड हमारी सेहत के लिए अच्छा साबित हो सकता है। इसमें कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ है जो ठंडे होते है और शरीर को भी ठंडा रखते हैं।

ताजे फलों का करें सेवन

गर्मियों के मौसम में तरबूज की बाजारों में भरमार होती है साथ ही कई रसदार फल पोषण के लिए पसंद किए जाते है। नींबू, लाइम, अंगूर, आम, संतरा, अनानास, स्ट्रॉबेरी और टमाटर जैसे खट्टे फल विटामिन सी और ए, बी, ई और के जैसे अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। विटामिन सी आयरन के अवशोषण में सहायता करता है, हमारे इम्यून सिस्टम के लिए अच्छा है। स्वस्थ दांतों और मसूड़ों के लिए अच्छे है। खरबूजे और तरबूज जैसे हाइड्रेटिंग फल गर्मी के महीनों में सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। विटामिन सी से भरपूर, वे शरीर में हाइड्रेशन स्तर को बनाए रखते है।

सोयाबीन का सेवन

गर्मियों में मांस का सेवन कम करने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह पाचन के दौरान शरीर में अधिक गर्मी पैदा करता है। सोयाबीन अंडे और मांस के अच्छे विकल्प के रूप में काम कर सकते है। यह आवश्यक खनिज, प्रोटीन और विटामिन बी से भरपूर है, जो इसे आपके लिए एक संतुलित डाइट बनाता है।

खीरे की ठंडक

गर्मियों का यह सुपरफूड 96 प्रतिशत पानी से बना है, जो इसे आपके शरीर के लिए तुरंत हाइड्रेटर बनाता है। 100 ग्राम खीरे में केवल 16 कैलोरी होती है और यह फाइबर से भरपूर होता है। अपने डिटॉक्स पानी में खीरे के टुकड़े मिक्स करें, उन्हें सलाद में लें, या आप इसे एक हाइड्रेटिंग फेस मास्क के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंजीर के टुकड़े

ये हल्के मीठे गोल से फल गर्मियों में काफी अच्छे होते है। और वे आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हैं। अंजीर कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत है। ये हड्डियों के लिए भी काफी अच्छे होते है। इनमें प्रीबायोटिक्स होते हैं जो पेट के अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखते है।

अगर आपको भी मधुमेह या प्री-डायबिटीज है तो खाली पेट खाने के लिए तीन 'सबसे खराब' फूड्स हैं

अधिकांश लोगों के नाश्ते में मक्खन लगा हुआ टोस्ट और फल या फलों का रस शामिल होता है। लेकिन अगर आप स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा भी सचेत हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि विशेषज्ञों के अनुसार दिन की शुरुआत करने के लिए फल तीन सबसे खराब खाद्य पदार्थों में से एक हैं। "सुबह–सुबह, हार्मोनल परिवर्तनों के कारण रक्त शर्करा आमतौर पर अनियंत्रित होती है। इसलिए, फल, शहद और बिस्कुट आपके दिन की शुरुआत करने के लिए सबसे खराब फूड्स हैं," हेल्थ हैच इंस्टाग्राम पेज पर एक रील में उल्लेख किया गया है। लेकिन सिर्फ ये ही नहीं, यहां तक घ्कि ब्रेड, टोस्ट/खारी, फलों का रस आदि भी रक्त शर्करा के स्तर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और इनसे बचना चाहिए। सहमत होते हुए, डॉ नीति ए पटेल, मधुमेह विशेषज्ञ, थायरॉयड विशेषज्ञ, स्कोप प्रमाणित मोटापा चिकित्सक, ऐस ऑर्थो–डायबिटो केयर, मुंबई ने कहा कि कोई भी भोजन जो इसमें मौजूद चीनी को तेजी से जारी करता है (उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स भोजन) से बचना चाहिए, खासकर खाली पेट। यह शरीर में शुगर को बढ़ा देगा और शुगर नियंत्रण को अव्यवस्थित कर देगा।

डॉक्टर के मुताबिक

–सफेद या साबुत ब्रेड में उच्च जीआई सूचकांक होता है, और ये अत्यधिक प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें कोई पोषक तत्व और फाइबर नहीं होता है।

– फलों के रस (ताजा या पैक) प्राकृतिक शर्करा से भरपूर होते हैं। इनमें बहुत सारे विटामिन, खनिज और फाइबर होते हैं लेकिन खाली पेट ये बिल्कुल भी वर्जित हैं। डॉ. पटेल ने कहा, "दिन में बाद में पूरे फल को मध्य भोजन नाश्ते के रूप में लिया जा सकता है।

– डॉ. पाटिल ने कहा, कॉर्न फ्लेक्स/अनाज बार/म्यूसलीरू हालांकि इन खाद्य पदार्थों को प्रोटीन से भरपूर/बिना अतिरिक्त चीनी/बाजरा आधारित के रूप में लेबल किया गया है, फिर भी हमें सामग्री सूची की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए। आमतौर पर, इन उत्पादों में चीनी की मात्रा अधिक होती है (व्यावसायिक ब्रांड इस तथ्य को छिपाने के लिए शर्करा के विभिन्न रूपों या नामों का उपयोग करते हैं),

–हालांकि साबुत फलों में फाइबर होता है, रस निकालने की प्रक्रिया इसे खत्म कर देती है, जिससे चीनी की एक केंद्रित आपूर्ति रह जाती है जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ा सकती है। मारेंगो एशिया हॉस्पिटल, गुरुग्राम की वरिष्ठ सलाहकार, पोषण और आहार विज्ञान, डॉ नीति शर्मा ने कहा, "फलों के रस से रक्त शर्करा के स्तर में अचानक वृद्धि हो सकती है क्योंकि इसमें चीनी के अवशोषण को धीमा करने के लिए फाइबर की कमी होती है।"

– इसके अलावा, जब खाली पेट खाया जाता है, तो पेस्ट्री और मीठे बेक किए गए सामान जैसे क्रोइसैन, मफिन और मीठे रोल मधुमेह या प्री–डायबिटीज वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होते हैं क्योंकि उनमें अतिरिक्त शर्करा और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है। डॉ. शर्मा ने कहा, ष्समय के साथ, ये भोजन इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है, जिससे रक्त शर्करा को नियंत्रित करना और भी मुश्किल हो जाएगा।''

आप कौन से विकल्प चुन सकते हैं?

धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में आंतरिक चिकित्सा के वरिष्ठ सलाहकार, डॉ. गौरव जैन ने कहा, सूचित आहार विकल्प चुनकर, मधुमेह या पूर्व–मधुमेह वाले व्यक्ति अपने रक्त शर्करा को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर सकते हैं और अपने समग्र कल्याण का समर्थन कर सकते हैं।

1) मेवे और बीज

2) कोई भी वस्तु जो दाल आधारित हो। जैसे– दाल अप्पम

3) भारी नाश्ता करने वालों के लिए कार्ब्स के साथ प्रोटीन एक अच्छा विकल्प होगा। उदाहरण के लिए, दही के साथ सब्जी भरवां परांठा।

पूरे दिन ब्लड प्रेशर के स्तर को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए संतुलित भोजन और स्नैक्स का चयन करना महत्वपूर्ण है जिसमें दुबला प्रोटीन, स्वस्थ वसा, फाइबर युक्त कार्बोहाइड्रेट और भरपूर सब्जियां शामिल हों। डॉ. शर्मा ने कहा, ''साबुत अनाज, कम चीनी वाले अनाज, कम मात्रा में साबुत फल, या नट्स और बीज जैसे स्वास्थ्यवर्धक स्नैक विकल्प बेहतर हैं क्योंकि इनमें पोषक तत्व अधिक होते हैं और रक्त शर्करा के स्तर में तेज बदलाव की संभावना कम होती है।''

केरल घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें वागामोन, बेहद खूबसूरत है यह जगह

अगर आप भारत के सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आप दक्षिण भारत के केरल राज्य में घूमने के लिए जा सकते हैं। यहां की हरियाली, धार्मिक स्थलों, शांत माहौल, प्राकृतिक सुंदरता और झीलों के कारण लोकप्रिय है। केरल में घूमने के लिए कई पर्यटन स्थल हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। साथ ही पर्यटकों को बार–बार यहां आने के लिए उत्साहित करते हैं। ऐसे में आप केरल की वागामोन नामक जगह घूमने जा सकते हैं। केरल की इडुक्की सीमा में स्थित कोट्टायम वागामोन का मुख्य आकर्षण है। वागामोन में घूमने और देखने के लिए आपको कई ऑप्शन मिल जाएंगे। आप कम पैसों में भी यहां पर आसानी से घूम सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वागामोन ट्रिप से जुड़ी सभी जानकारी देने जा रहे हैं।

वागामोन पाइन जंगल

पाइन जंगल में पहुंचने के बाद आप खुद को नेचर के बेहद करीब महसूस करेंगे। इस जंगल को ब्रिटिश काल के दौरान बनवाया गया था। शाम के समय में पाइन जंगल की सुंदरता देखते ही बनती है।

वागामोन झील

अगर आप भी वागामोन घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां पर आप वागामोन झील देखने के लिए जा सकते हैं। हरी–भरी पहाड़ियों और पन्ना ग्रीन टी के बागानों के बीच यह झील स्थित है। इस झील का पानी बेहद शांत है। जो आपको सुकून का अनुभव कराता है। आप यहां पर अपने पार्टनर या फिर दोस्तों के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर अन्य एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

मारमला झरना

वागामोन के मुख्य आकर्षणों में एक मारमाला झरना है। मारमाला झरना कोट्टायम जिले के ईराटूपेट्टा में स्थित है। यह स्थान पहाड़, पेड़ों और घनी झाड़ियों से घिरा है। जो जंगल की जादूगरनी के रूप में दिखता है। आप चाहें तो यहां पर ट्रैकिंग का भी लुत्फ उठा सकते है।

उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

वागामोन में उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी स्थित है। ऐसे में अगर आप वन्य जीवों में रुचि रखते हैं, तो यहां पर घूमने के लिए जा सकते हैं। साथ ही कुछ समय प्रकृति के बीच बिता सकते हैं। उलीपुनी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में आप बाघ, हाथी समेत कई जानवर देखने के साथ पहाड़ों और झीलों के बीच बोटिंग का मजा ले सकते हैं।

गुणों की खान है अमरुद की पत्तियों से बना चूर्ण, अनगिनत स्वास्थ्य लाभ कर देंगे हैरान

अमरुद एक ऐसा फल है जो बाजार में आपको आसानी से मिल जाएगा। स्वादिष्ट होने के साथ–साथ यह फल स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। अमरुद ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियां भी सेहत को ढेरों फायदे देती हैं। इसके पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होते हैं जो सेहत संबंधी समस्याओं से छुटकारा दिलवाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इनमें विटामिन–सी, विटामिन–बी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पौटेशियम, प्रोटीन जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इन पत्तों को सुखाकर यदि इनका चूर्ण बनाकर खाया जाए तो भी कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं दूर होती हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण खाने के फायदे।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

एक्सपर्ट्स की मानें को अमरुद के पत्तों से बनी चाय का सेवन करने के कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है। वहीं इन पत्तों से बना चूर्ण दिल के मरीजों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है।

वजन होगा कम

अमरुद के पत्तों में फाइबर मौजूद होता है। ऐसे में इन पत्तों का बना चूर्ण खाने से वजन घटाने में मदद मिलती है।

बीपी रहेगा कंट्रोल

अमरुद की पत्तियों में पौटेशियम और फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इसके चूर्ण से बना घोल पानी में डालकर पीने से आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहेगा।

डायबिटीज रहेगी कंट्रोल

इन पत्तों में ऐसे कई एंजाइम्स मौजूद होते हैं जो ग्लूकोज को खून में फैलने से रोकते हैं। इस चूर्ण को पानी में मिलाकर पीने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

सर्दी जुकाम से मिलेगी राहत

यदि आप सर्दी–जुकाम को समस्या से परेशान हैं तो अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण पीन में मिलाकर पिएं। इससे आपको समस्या से राहत मिलती है।

कब्ज से मिलेगी राहत

यदि आपको कब्ज रहती है तो रोजाना आप अमरुद के पत्तों से बना चूर्ण गर्म पानी के साथ लें। इसमें पाया जाने वाला फाइबर मल त्यागने की प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद करता है।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

अमरुद के पत्तों में फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है ऐसे में इससे बना चूर्ण खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है।

संक्षिप्त

इन्फोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये के ईएसओपी अनुदान को मंजूरी दी

भारत की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस के निदेशक मंडल ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की कर्मचारी शेयर विकल्प योजना (ईएसओपी) देने की मंजूरी दे दी है। ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी (पर्यावरण सामाजिक शासन) और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के अंतर्गत हैं। इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल ने नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित रोजगार समझौते के तहत पारेख को उक्त वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी। निदेशक मंडल ने 2015 योजना के तहत अनुदान की तिथि पर पांच करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले कंपनी के शेयरों को 'कवर' करने वाले रिसर्टिकटेड स्टॉक यूनिट (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन–आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी टीएसआर अनुदान) के अनुदान को भी मंजूरी दे दी। यह कुछ मानदंडों के अधीन 31 मार्च 2027 को या उसके बाद दिया जाएगा। इन्फोसिस ने बृहस्पतिवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी दो मई 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना दो मई 2025 को कारोबार बंद होने पर बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी।

दो और स्वतंत्र निदेशकों का इस्तीफा, सह–संस्थापकों के खिलाफ सेबी की कार्रवाई शुरू होने के बाद फैसला

नई दिल्ली। संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के दो स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और उनके भाई के खिलाफ सेबी की कार्रवाई के बाद कंपनी से अब तक तीन लोग बाहर हो चुके हैं। नियामकों ने कंपनी के सह–संस्थापकों पर धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी अपनी एक सहयोगी कंपनी के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदने के लिए किया। भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस सप्ताह अनमोल जग्गी और उनके भाई पुनीत को शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। सेबी ने सौर ऊर्जा कंपनी

जेनसोल की फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया, जिसने ब्लूस्मार्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे थे। ब्लूस्मार्ट एक टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी है जिसे ऊबर का प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। इसकी सह–स्थापना अनमोल ने की थी, जो जेनसोल के प्रबंध निदेशक भी हैं। जेनसोल ने गुरुवार को कहा, हर्ष सिंह और कुलजीत सिंह पोपली ने तत्काल प्रभाव से स्वतंत्र निदेशकों के पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले कंपनी के एक अन्य स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने भी इस्तीफा दे दिया था। पोपली ने अपने त्यागपत्र में कहा, ष्...जिस तरह से चीजें सामने आई हैं और प्रकाश में आई हैं, मैं स्वतंत्र निदेशक के रूप में बने रहने की स्थिति में नहीं हूं।ष पोपली ने कहा, मुझे उम्मीद थी कि कंपनी जो इतनी तेजी से बढ़ी है और जिसकी अच्छी प्रतिष्ठा और सद्भावना रही है, वह आगे भी बढ़ती रहेगी... और सामने आए गवर्नेंस संबंधी मुद्दों का समाधान किया जाएगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। ब्लूस्मार्ट ने गुरुवार को यह भी कहा कि उसने अपने एप पर बुकिंग अस्थायी रूप से बंद करने के निर्णय के साथ अपने परिचालन को निलंबित कर दिया है। जेनसोल, अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने सेबी के आरोपों पर फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये, कुल संपत्ति जानकर हैरान रह जाएंगे

बंगलूरू। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह–संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है।

एकाग्रह 240 करोड़ रुपये के मालिक

एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इंफोसिस को चौथी तिमाही में मुनाफा घटा

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा। कंपनी अब 15–20 हजार फ्रेशर्स नियुक्त करने पर विचार कर रही है।

गुजरात टाइटंस को मिल गया ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट, श्रीलंका के इस स्टार ऑलराउंडर को टीम से जोड़ा

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस को न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट मिल गया है। इस टीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर दासुन शनाका को टीम से जोड़ा है। शनाका पूरे सीजन अब टीम के साथ रहेंगे। फिलिप्स को ग्रोइन की चोट के कारण घर लौटना पड़ा था। गुजरात ने फिलिप्स को दो करोड़ रुपये के उनके बेस प्राइस पर नीलामी में खरीदा था। हालांकि, फील्डिंग करते हुए उन्हें चोट लगी और वह पूरी सीजन के लिए टीम से बाहर हो गए। उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। शनाका ने श्रीलंका के लिए 102 टी20 मैच खेले हैं। वह साल 2023 में भी गुजरात टाइटंस के साथ रह चुके हैं। ऑलराउंडर ने उस सीजन सिर्फ तीन मैच खेले थे। उन्हें 75 लाख रुपये के उनके बेस प्राइस पर टीम से जोड़ा गया है।

फील्डिंग के दौरान फिलिप्स को लगी थी चोट

फिलिप्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। 28 वर्षीय फिलिप्स उस मैच में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। वह बाउंड्री रोकने के चक्कर में चोटिल हो गए थे। गुजरात टाइटंस ने बयान जारी कर फिलिप्स को लगी चोट की पुष्टि की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। गुजरात ने बयान में कहा, गुजरात टाइटंस फिलिप्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है। गुजरात की टीम फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने छह में से चार मैच जीते हैं और दो में हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के आठ अंक हैं और उनका नेट रन रेट +1.081 है।

शनाका पर इस साल लगे थे गंभीर आरोप

शनाका इस साल की शुरुआत में एक विवाद में फंसे थे। उनपर आरोप था कि उन्होंने एक दिन में दो देशों में मैच खेले, जिसकी वजह से उन्हें श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की जांच का भी सामना करना पड़ा था। शनाका पर आरोप था कि उन्होंने आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेलने के लिए घरेलू टूर्नामेंट मेजर लीग से हटने के लिए खुद को चोटिल बता दिया था। कथित तौर पर कन्कशन (सिर में गेंद लगने से बेहोशी जैसी स्थिति) का नाटक किया। शनाका मेजर लीग टूर्नामेंट में मूर्स स्पोर्ट्स क्लब के खिलाफ सिंहली स्पोर्ट्स क्लब के तीन दिवसीय मैच के शुरुआती दो दिन खेलने के बाद मुकाबले से हट गए थे और दुबई कैपिटल्स के लिए खेलने पहुंचे थे।

MI के कोच रहते कप्तानी से हटाया, अब खुद कर रहे उनकी तारीफ, बाउचर बोले- जल्द बड़ी पारी खेलेंगे रोहित

मुंबई। आईपीएल 2024 में कोच रहते रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाने वाले मार्क बाउचर ने अब उनकी तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि रोहित फॉर्म में लौट रहे हैं और जल्द बड़ी पारी खेल सकते हैं। पिछले साल तब बड़ा विवाद हुआ था जब मुंबई इंडियंस टीम के कोच रहे मार्क बाउचर ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया था। हार्दिक को नया कप्तान बनाया गया था और फैंस ने इस फैसले को पसंद नहीं किया था। मुंबई का सीजन खराब रहा था और हार्दिक के साथ बाउचर आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। हालांकि, इस सत्र से पहले बाउचर को कोच पद से हटाया गया और महेला जयवर्धने फिर से मुंबई के कोच बने।

रोहित से बड़ी पारी दूर नहीं

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित से बड़ी पारी दूर नहीं है। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गुरुवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। बाउचर ने आईपीएल प्रसारकों से कहा, श्हमने हैदराबाद के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उनके तेवर पसंद आए। उन्होंने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे।

बाउचर ने की हार्दिक की तारीफ

वहीं, हैदराबाद के खिलाफ नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में मार्क बाउचर ने कहा, श्हार्दिक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर्स में से हैं। जब वह अच्छा खेलते हैं तो टीम जीतती है। अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहे हैं और विकेट भी ले रहे हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

बाउचर ने विल जैक्स के बारे में कहा, श्वह दबाव में लग रहे हैं और उस तरह से प्रदर्शन नहीं कर पा रहे, जैसा वह करना चाहते होंगे। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी हैं और शानदार ऑलराउंडर हैं। उन्होंने कुछ अहम विकेट लिए जिससे बतौर बल्लेबाज भी उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। आखिरकार वह योगदान दे पा रहे हैं और इस लय को कायम रखना चाहेंगे। हार्दिक के बारे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा, हार्दिक मोर्चे से अगुआई कर रहे हैं। गेंदबाजी हो, बल्लेबाजी या फील्डिंग, वह हमेशा मुस्कुराता रहते हैं और कभी हार नहीं मानते।

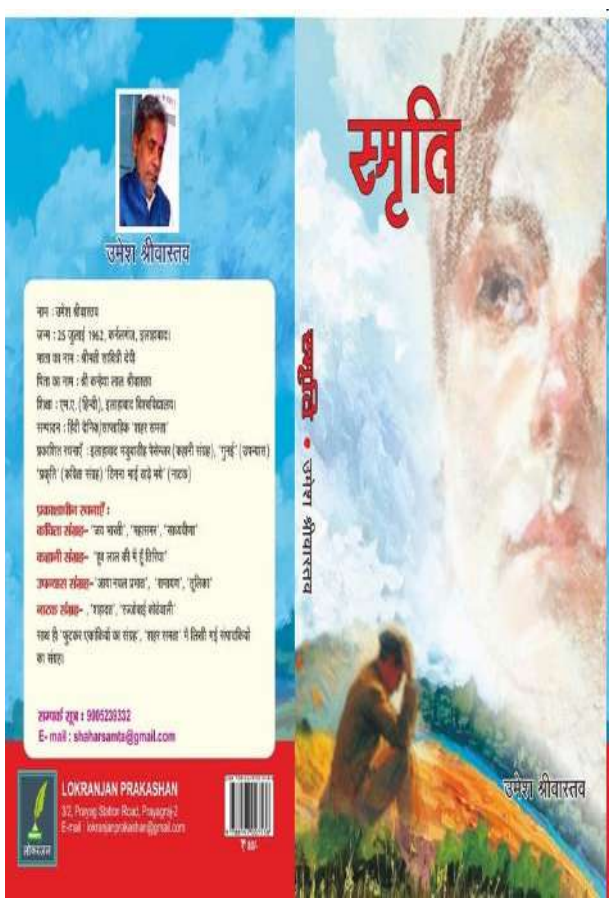

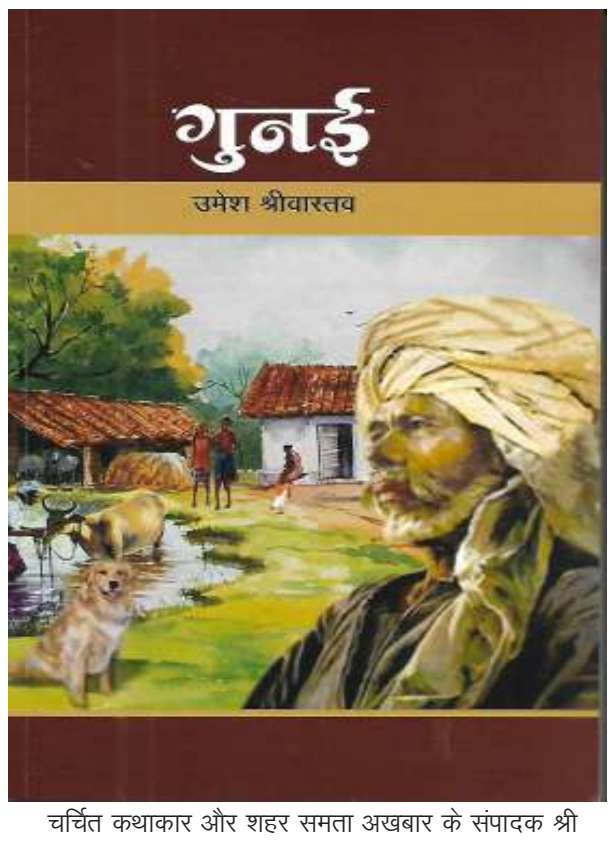

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

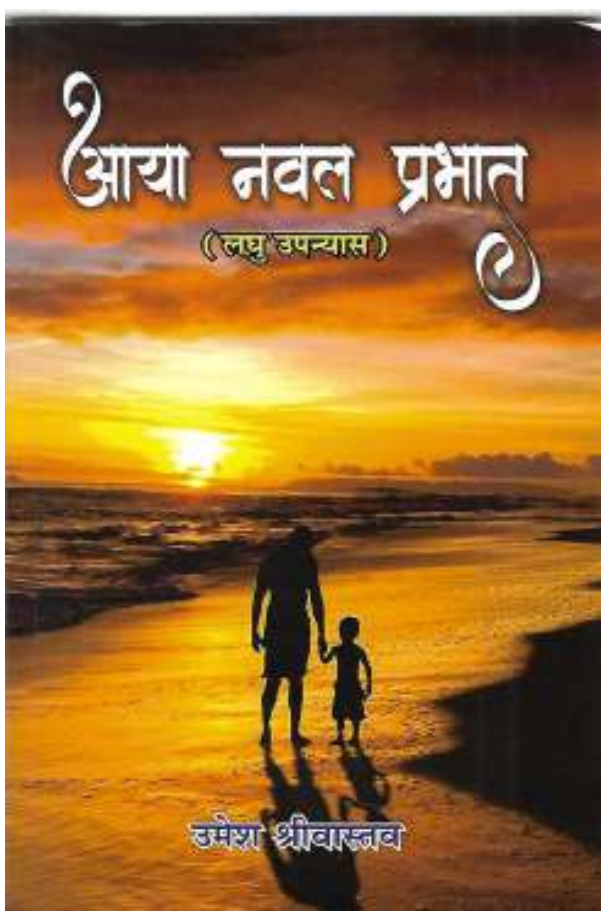

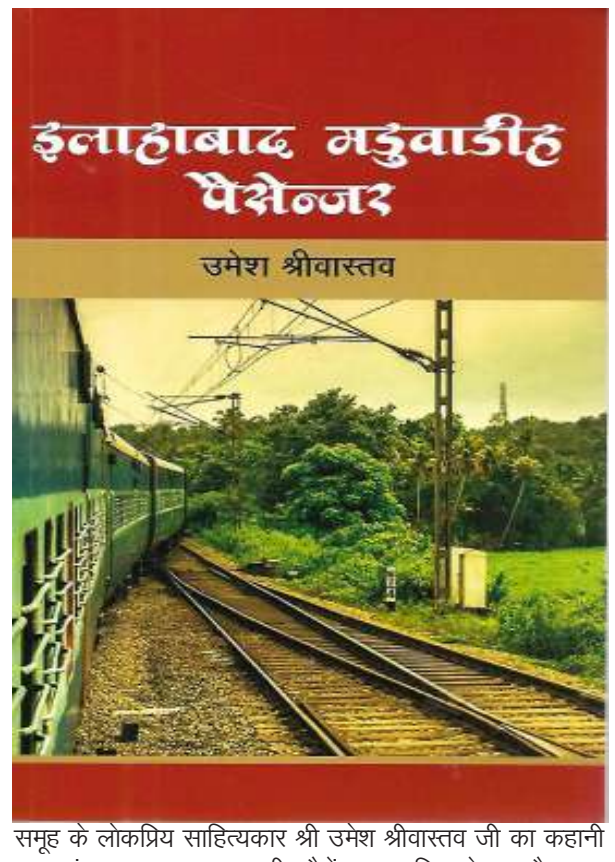

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

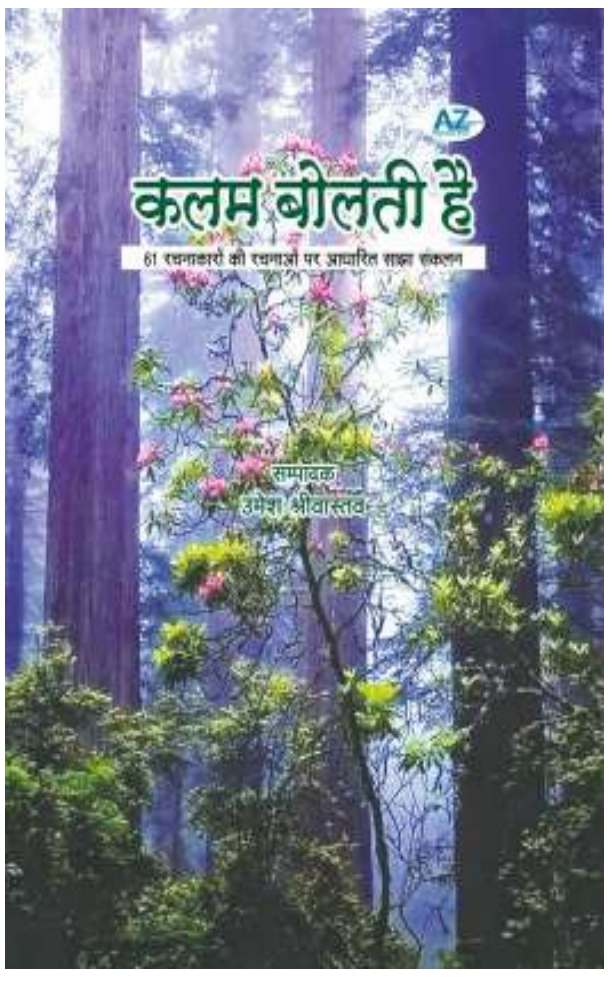

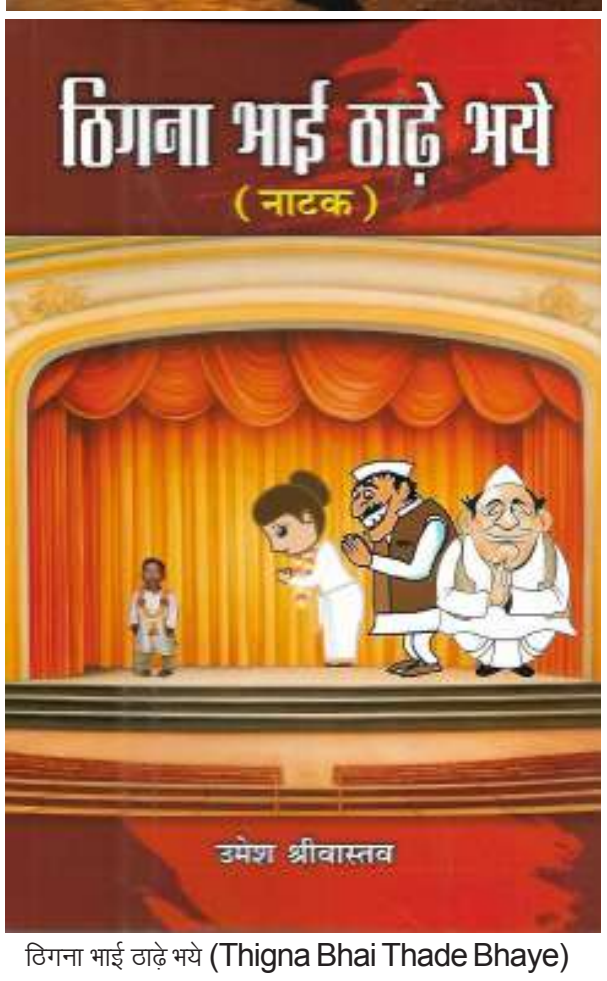

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नकदी के संकट से जूझ रही पीआईए को बेचने के लिए पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने पुनः प्रयास शुरू किए

पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' (पीआईए) को बेचने के प्रयास पिछले साल विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर वर्षों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार कोई बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपये की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया। निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक कर लिया जाएगा।

निजीकरण आयोग की बुधवार को हुई बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष एवं निजीकरण पर प्रधानमंत्री के सलाहकार मोहम्मद अली ने की। बयान में कहा गया, ''पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है।'' इसमें कहा गया कि ''एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए'' बैठक की जाएगी। पीआईए पिछले कई वर्षों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब सामने आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को नवंबर 2023 का वेतन नहीं मिला। इससे पहले, यूरोपीय संघ ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सीरिया से 600 सैनिक वापस बुलाएगा अमेरिका

अमेरिका सीरिया से लगभग 600 सैनिकों को वापस बुलाएगा जिससे आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से मुकाबला करने के लिए उसके 1,000 से भी कम सैनिक वहां रह जाएंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि अभी तक सार्वजनिक रूप से इस

संबंध में घोषणा नहीं की गई है। अमेरिकी सैनिक न केवल इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण रहे हैं बल्कि तुर्किए के खिलाफ कुर्द बलों के लिए उनकी भूमिका अहम रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान सीरिया से सभी सैनिकों को वापस बुलाने का प्रयास किया था लेकिन उन्हें पेंटागन के विरोध का सामना करना पड़ा क्योंकि उनके इस कदम को सहयोगियों को छोड़ने के रूप में देखा गया और पूरे विवाद के बीच पूर्व रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस्तीफा दे दिया था। अमेरिका अगर अपने 600 सैनिक वापस बुलाता है तो सीरिया में सैनिकों की संख्या उतनी ही बचेगी जितनी तब थी जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने आईएस को हराने के लिए कई वर्षों तक अभियान संचालित किया था। अमेरिका ने सीरिया में लगभग 900 सैनिकों को तैनात किया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आईएस आतंकवादी फिर से पैर न जमा सकें, साथ ही ईरान समर्थित आतंकवादी दक्षिणी सीरिया में हथियारों की तस्करी न कर सकें।समाचार पत्र 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने भी अपनी एक खबर में 600 सैनिकों को वापस बुलाए जाने की जानकारी दी थी।

फ्लोरिडा में गोलीबारी में दो लोगों की मौत, कम से कम पांच लोग घायल

अमेरिका की 'फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी' में एक बंदूकधारी की गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर शेरिफ के सहायक का बेटा था और गोलीबारी में उसने जिस बंदूक का इस्तेमाल किया था वह उसके पिता की थी। 'फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी' के पुलिस प्रमुख जेसन ट्रंबोवर ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि जो दो लोग मारे गए हैं वे विश्वविद्यालय के छात्र नहीं थे लेकिन हमलावर छात्र था। ट्रंबोवर ने बताया कि पांच लोगों का इलाज तल्हासी मेमोरियल अस्पताल में किया जा रहा है और हमलावर को भी चिकित्सा सहायता दी जा रही है। विश्विद्यालय के छात्र रयान सेडरग्रेन (21) ने घटना के संबंध में बताया कि परिसर में गोलीबारी की आवाज सुनाई देने और छात्रों को भागते हुए देखने के बाद वह एवं लगभग 30 अन्य लोग पास ही एक स्थान में छिप गए थे। उसने कहा, ''उस वक्त बस यह जरूरी लग रहा था कि किसी तरह जान बच जाए।''

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

भारत के आगे झुका चीन, सारी शर्तें मानकर करेगा काम

अमेरिका और चीन के बीच छिड़े टैरिफ विवाद को लेकर मामला अब इतना आगे बढ़ चला है कि चीन अब नए विकल्पों की ओर देखने लगा है। इन विकल्पों में चीन के सामने एक पसंदीदा नाम हमेशा की तरह से भारत सामने आया है। इसके पीछे के कई कारण हैं। हाल के दिनों में भारत और चीन के रिश्तों में गलवान घाटी झड़प के बाद से सुधार देखने को मिल रहा है। चीन पहले के मुकाबले भारत के साथ ज्यादा अकड़ की जगह भारत के साथ प्रेम भाईचारा और दोस्ती के हवाले देकर बात आगे बढ़ाना चाहता है। वहीं दूसरी तरफ भारत के साथ उसका बढ़ता ट्रेड डिफेसिट घाटा भी उसे परेशान कर रहा है कि कहीं भारत कहीं चीन के इस षड़यंत्र से आगे न निकल जाए। इन सब के बीच चीन भारत में निवेश करने के लिए अपनी आतुरता दिखा रहा है। इसके पीछे का एक और बड़ा खेल है। चीन के निवेश को भारत संयमित रखना चाहता है। वहीं चीन चाहता है कि भारत एक बड़ा बाजार है और वो अपने व्यापार का विस्तार भारत में कर सकता है। यही वजह है कि अब चीन की कई कंपनियां भारत में पहले के मुकाबले ज्यादा लचीला रवैया अपनाने को तैयार नजर आ रही हैं। शंघाई हाईली चीन की बहुत बड़ी कंप्रेसर बनाने वाली कंपनी है। इस कंपनी ने टाटा के मालिकाना हक वाली वोल्टास के साथ फिर से ज्वाइंट वेंचर की बातचीत शुरू कर दी है। दो साल पहले इन दोनों कंपनियों का एक ज्वाइंट वेंचर बनने वाला था, जिसमें चीनी कंपनी की हिस्सेदारी 60प्रतिशत थी। लेकिन सरकार ने मंजूरी नहीं दी। लेकिन अब शंघाई हाइले अब माइनॉरिटी हिस्सेदारी रखने को तैयार है। जो पहले बिल्कुल मानने के लिए तैयार नहीं थी। चीन पर भी दबाव है इस बात को समझते हुए चीन भारत के लिए लचिला रुख अख्तियार कर रहा है। केवल यही कंपनी नहीं इसके अलावा हायर भी उनमें से एक है। हायर चीन की बड़ी कंपनी है और वो पहले भारत में अपना 26 फीसदी हिस्सा किसी भारतीय कंपनी को बेचने की योजना बना रही थी। अब खबर है कि हायर अपने बिजनेस का 51 से 55 प्रतिशथ हिस्सा बेचने को तैयार है ताकी वो भारत में बना रह सके और निवेश बढ़ा सके। यानी चीनी कंपनियां भारत की शर्तों को मानने को राजी दिखाई पड़ रही हैं। चाहे वो माइनॉरिटी स्टेक हो या टेक्नोलॉजी शेयर करना हो। भारतीय बाजार के एक्सपट्र्स मानते हैं कि दरअसल, चीन पर बढ़ता दबाव और भारत की सजकता चीन को परेशान कर रही है। जिस तरह से भारत और के बीच में ट्रेड डिफेसिट बढ़ रहा है उसे लेकर वाकई में भारत इस मंथन पर जुटा है कि कैसे वो अपनी चीन पर निर्भरता कम कर सके।

पंजाब में आतंकी हमला करने वाला अमेरिका में अरेस्ट, जानें कौन है हरप्रीत सिंह ?

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और प्रवर्तन एवं निष्कासन अभियान (ईआरओ) ने पंजाब में हमलों में शामिल एक आतंकवादी हरप्रीत सिंह को शुक्रवार को अमेरिका में गिरफ्तार किया। एफबीआई ने कहा कि हरप्रीत सिंह दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से जुड़ा हुआ है और अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। एफबीआई के अनुसार, उसने पकड़ से बचने के लिए बर्नर फोन का इस्तेमाल किया। दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से जुड़े पर साझा की गई एक पोस्ट में, उसने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया और पकड़ से बचने के लिए बर्नर फोन का इस्तेमाल किया। 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र में शामिल आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ घ्घरिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। ये दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला–बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का उद्देश्य पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था, जिसे हमलावरों का मानना घ्घ्था कि वह घर का रहने वाला था। जांच से पता चला कि रिंडा ने हैप्पी पासिया के साथ मिलकर ग्रेनेड हमले के माध्यम से कानून प्रवर्तन अधिकारियों और आम जनता के बीच आतंक फैलाने की साजिश रची थी, जिसका उद्देश्य बीकेआई के आतंकवादी एजेंडे को बढ़ावा देना था। उन्होंने रोहन मसीह और विशाल मसीह नामक स्थानीय गुर्गों की भर्ती की थी, जिन्हें उनके सीधे निर्देशों के तहत हमला करने का काम सौंपा गया था। जांच से पता चला कि रिंडा और हैप्पी ने अन्य आरोपियों रोहन मसीह और विशाल मसीह को ग्रेनेड फेंकने से पहले दो बार लक्ष्य की टोह लेने का निर्देश दिया था।

इस्पात, एल्यूमिनियम पर शुल्क सुरक्षा कारणों से लगाया गया, बचाव उपायों के आधार पर नहीं : अमेरिका

अमेरिका ने वैश्विक व्यापार निकाय विश्व व्यापार संगठन से कहा है कि इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया गया और इसे बचाव के लिए उठाया गया कदम नहीं माना जाना चाहिए। भारत के 11 अप्रैल को अमेरिका के साथ डब्ल्यूटीओ के बचाव समझौते के तहत परामर्श का अनुरोध करने के बाद अमेरिका ने विश्व व्यापार

संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समक्ष अपना रुख स्पष्ट किया है। भारत ने कहा था कि अमेरिका द्वारा इन उपायों को सुरक्षा उपाय बताए जाने के बावजूद ये मूलतः बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं। इससे अमेरिका बचाव उपायों को लागू करने के निर्णय के बारे में बचाव समझौते (एओएस) के एक प्रावधान के तहत डब्ल्यूटीओ सुरक्षा समिति को सूचित करने में विफल रहा है। अमेरिका ने 17 अप्रैल को व्यापार निकाय को भेजे एक पत्र में कहा, '' अमेरिका ने पाया कि बचाव उपायों पर समझौते के अनुच्छेद 12.3 के तहत परामर्श के लिए भारत के अनुरोध का आधार यह है कि शुल्क बचाव के लिए उठाया गया कदम है... (अमेरिका के) राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने धारा 232 के तहत इस्पात तथा एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाया, जिसके तहत राष्ट्रपति ने निर्धारित किया कि शुल्क इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात को समायोजित करने के लिए आवश्यक हैं जिससे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होने की आशंका है।'' अमेरिका ने कहा कि धारा 232 एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है तथा शुल्क को शुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) 1994 के एक प्रावधान के तहत सुरक्षा अपवाद के तहत रखा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि ये शुल्क 1974 के व्यापार अधिनियम के प्रावधान के तहत नहीं लगाए गए हैं, जिसके तहत अमेरिका बचाव उपाय लागू करता है। अमेरिका ने कहा, '' अमेरिका बचाव उपायों/आपात कार्रवाई प्रावधान के अनुरूप इन कार्रवाइयों को जारी नहीं रख रहा है... ये कार्रवाइयां बचाव में उठाया गया कदम नहीं हैं और इसलिए इन उपायों के संबंध में बचाव समझौते के तहत परामर्श करने का कोई आधार नहीं है।'' इसमें कहा गया, '' तदनुसार, परामर्श के लिए भारत का अनुरोध...बचाव उपायों पर समझौते के तहत कोई आधार नहीं रखता है...फिर भी, हम भारत के साथ इस या किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।'' अमेरिका ने आठ मार्च 2018 को इस्पात तथा एल्यूमिनियम के कुछ उत्पादों पर क्रमशरू 25 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मूल्यानुसार शुल्क की घोषणा की थी जो 23 मार्च 2018 से लागू हुए। इस वर्ष 10 फरवरी को अमेरिका ने इस्पात और एल्यूमिनियम वस्तुओं के आयात पर बचाव उपायों को संशोधित किया, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी हुए और इनकी अवधि असीमित है।

इटली के नेपाल के पास केबल कार दुर्घटनाग्रस्त, 4 पर्यटकों की मौत, पीएम मेलोनी ने शोक व्यक्त किया

दक्षिणी इटली में नेपल्स के पास गुरुवार को एक केबल कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। इस केबल कार हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, नेपल्स की खाड़ी के किनारे स्थित कास्टेलामारे डी स्टेबिया शहर से पर्यटकों को लगभग तीन किलोमीटर दूर मोंटे फेतो ले जाने वाली लाइन का केबल टूट गया। अग्निशमन विभाग ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, चार शव बरामद किए गए, जबकि पांचवें घायल व्यक्ति को बचा लिया गया और अस्पताल ले जाया गया। साथ ही कहा कि यह अंतिम संख्या है। इतालवी समाचार पत्र ला रिपब्लिका के अनुसार, दुर्घटना में मारे गए लोगों में एक इजरायली महिला भी शामिल है, जबकि एक अन्य इजरायली पर्यटक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में इलाज चल रहा है। दुर्घटना में मारे गए अन्य तीन लोगों में दो ब्रिटिश पर्यटक और केबल ऑपरेटर शामिल हैं। मृतकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। नेपल्स के आसपास कैम्पेनिया क्षेत्र के प्रमुख विसेन्ज़ो डी लुका ने बताया कि दुर्घटना के बाद खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया, लेकिन कोहरे और तेज़ हवाओं के कारण इसमें बाधा आई। बचाव कार्य में 50 से अधिक अग्निशमन कर्मी शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, केबल कार को अभी गर्मियों के मौसम के लिए पुनः खोला गया था और अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। केबल कार कंपनी के प्रमुख अम्बर्टो डी ग्रेगोरियो ने कहा, केबल कार को 10 दिन पहले सभी आवश्यक सुरक्षा शर्तों के साथ फिर से खोला गया था। आज जो हुआ वह एक अकल्पनीय, अप्रत्याशित त्रासदी है। 16 यात्रियों को ले जा रहा एक केबिन कास्टेलामारे के पास था और उन्हें ठोस ज़मीन पर उतारा गया। दूसरा केबिन माउंट फेटो पर एक चट्टान के ऊपर था और इससे बचाव कार्य में देरी हुई। बता दें कि प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, वर्तमान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करने के लिए अमेरिका में हैं – ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति गंभीर संवेदना व्यक्त की, ऐसा उनके कार्यालय ने कहा।

आर्थिक संकट के बीच हिंसा के जूझ रहे हैती में गंभीर भुखमरी की आशंका

हैती की आधी से अधिक आबादी के जून तक गंभीर भुखमरी की चपेट में आने तथा अस्थायी आश्रयों में रह रहे 8,400 अन्य लोगों के भुखमरी से जूझने की आशंका है। इस सप्ताह जारी एक ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। दुनिया भर में खाद्य असुरक्षा एवं कुपोषण का विश्लेषण करने वाली संयुक्त राष्ट्र की पहल 'एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण' के विश्लेषण के अनुसार, गिरोहों के बीच लगातार हो रही हिंसा और लगातार आर्थिक पतन हैती की इस दशा लिए जिम्मेदार है। उसने बताया

कि गंभीर भुखमरी का सामना करने वाले लोगों की संख्या पिछले वर्ष की 3,00,000 की संख्या से बढ़कर लगभग 57 लाख हो गई है। उसने बताया कि हैती की आधी से अधिक आबादी के जून तक गंभीर भुखमरी की चपेट में आने की आशंका है। इसके अलावा अस्थायी आश्रयों में रह रहे 8,400 अन्य लोगों के भुखमरी से जूझने की आशंका है। आश्रय स्थलों पर भोजन और पेयजल सामान्य रूप से वितरित किया जाता था लेकिन फरवरी के अंत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा 90 प्रतिशत विदेशी सहायता अनुबंधों को समाप्त करने का निर्णय लिए जाने के बाद इन स्थलों को दी जाने वाली सहायता कम होने लगी। इसमें कहा गया है कि अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक लगभग 9,77,000 हैतीवासियों को मासिक खाद्य सहायता प्राप्त हुई, हालांकि राशन में आधे तक की कटौती की गई है। यूनिसेफ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अनुमानतः 28,50,000 बच्चे ''उच्च स्तर की खाद्य असुरक्षा का लगातार सामना कर रहे हैं।

यमन के तेल बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमलों में 20 लोगों की मौत : हूती विद्रोही

यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले रास ईसा तेल बंदरगाह पर अमेरिका के हवाई हमलों में 20 लोगों की मौत हो गई है और 50 अन्य लोग घायल हुए हैं। हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने भी इन हमलों की पुष्टि की है। यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 15 मार्च से हूती विद्रोहियों के खिलाफ शुरू किए गए अभियान के दौरान मारे गए लोगों की सर्वाधिक संख्या है। हूती विद्रोहियों ने बताया कि बंदरगाह पर अमेरिका के हमलों में 20 लोग मारे गए और 50 लोग घायल हो गए।

हूती विद्रोहियों के समाचार चौनल ने हमले के बाद की स्थिति का ग्राफिक फुटेज प्रसारित किया जिसमें घटनास्थल पर लाशें बिखरी नजर आ रही हैं। अमेरिकी सेना की 'सेंट्रल कमांड' ने एक बयान में कहा कि ''अमेरिकी सेना ने ईरान समर्थित हूती आतंकवादियों के लिए ईंधन के इस स्रोत को खत्म करने और उन्हें उस अवैध राजस्व से वंचित करने के लिए यह कार्रवाई की जो पूरे क्षेत्र को आतंकित करने के हूती प्रयासों को 10 साल से अधिक समय से वित्तपोषित कर रहा है।''

उसने कहा, ''इस हमले का उद्देश्य यमन के लोगों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। यमन के लोग हूती की अधीनता से वास्तव में आजादी चाहते हैं और शांति से रहना चाहते हैं।'' 'सेंट्रल कमांड' ने हताहतों के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।